दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 10 जयपुर, मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

विकसित भारत संकल्प यात्रा की जयपुर से शुरुआत

'विकसित भारत' के बड़े लक्ष्य तक पहुंचना हमारा संकल्प: CM

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य केंद्र सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाते हुए हमारा प्रयास रहेगा कि एक भी परिवार योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे। यह हम सभी की जिम्मेदारी भी है। इसके लिए हमें मिलकर प्रतिबद्धता से कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री सोमवार को जयपुर के सांगानेर स्टेडियम में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के शहरी शिविर शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के 276 निकायों में प्रत्येक 25 हजार की आबादी पर शिविर लगेंगे। इनके माध्यम से प्रदेशवासियों को जागरूक और हर पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, लाभार्थियों और राज्य कार्मिकों का आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें। पात्र वंचितों को जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें संबल प्रदान कराएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वनिधि योजना के जरिए सहायता राशि उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी चढ़ाई है। इससे युवाओं को आगे बढ़ने के सुअवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए आमजन को शपथ दिलाई। इस अवसर पर ग्रेटर निगम मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर, विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

लाभार्थियों से किया संवाद

सीएम ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लगे शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के स्टॉल पर पहुंचकर संपूर्ण जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद करने के साथ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को चैक वितरित किए।

संसद की सुरक्षा में चूक का मामला: सत्ता-विपक्ष में जमकर टकराव

एक दिन में 78 सांसद सस्पेंड

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में सोमवार का दिन काफी अहम रहा। सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा से कुल 78 सांसद को सस्पेंड कर दिया गया। राज्यसभा से 45 और लोकसभा से 33 सांसदों को सस्पेंड किया गया है। इनमें से विपक्ष के 46 सांसदों को पूरे सेशन के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। इससे पहले राज्यसभा से एक और लोकसभा से 13 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। अब तक सत्र में 92 सांसदों को सस्पेंड किया जा चुका है। संसद में सुरक्षा चूक के मसले पर राज्यसभा और लोकसभा में लगातार हंगामा होता रहा। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 33 सांसदों को सस्पेंड कर दिया। वहीं, इस मुद्दे पर राज्यसभा में भी दिनभर हंगामा हुआ। सभापति जगदीप धनखड़ ने 45 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र यानी 22 दिसंबर तक निलंबित कर दिया। ■ पेज 7 भी देखें

दोनों सदनों से अब तक 92 सांसद किए जा चुके हैं निलंबित

विपक्ष ने कहा...
ब्लडबाथ

सरकार बोली...
अपमान नहीं सहेंगे

अभद्र व्यवहार के कारण किए सांसद निलंबित:रेड्डी

सांसदों के निलंबन पर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि विपक्ष ने अभद्र व्यवहार किया। विपक्ष असुरक्षित महसूस करने लगा है। उनके पास पीएम मोदी के खिलाफ कोई एजेंडा या मुद्दा नहीं है। वे सदन को चलने ही नहीं दे रहे हैं। इसलिए अध्यक्ष ने उन्हें शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया है। हमने इसका समर्थन किया है।

सरकार ने लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़े में फेंका: मल्लिकार्जुन

कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहले घुसपैठियों ने लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' पर हमला किया, अब मोदी सरकार सदन में इस मुद्दे पर चर्चा न करवाकर लोकतंत्र और संसद पर हमला कर रही है। मोदी सरकार ने लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़े में फेंक दिया।

जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे... तब हुए थे 63 सांसद निलंबित

'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' के अनुसार संसदीय इतिहास में लोकसभा में सबसे अधिक सदस्यों का निलंबन 1989 में हुआ था, जब सांसद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर एम पी ठक्कर आयोग की रिपोर्ट को संसद में रखे जाने पर हंगामा कर रहे थे। उस दरम्यान राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे और कांग्रेस के पास प्रचंड बहुमत था। तब तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष ने 63 सांसदों को निलंबित कर दिया था। इन सभी सांसदों को एक हफ्ते के लिए संसद से निलंबित किया गया था।

क्या है मामला?

लोकसभा सदन में 13 दिसंबर की दोपहर उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब सदन में मौजूद दर्शन दीर्घा से दो व्यक्ति कार्यवाही के दौरान सांसदों के बीच कूद गए। इस दौरान आरोपियों द्वारा कलर स्मॉग सदन के भीतर छोड़ा गया था। उस दौरान मौजूद सांसदों, सुरक्षा कर्मियों ने आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जरूरी खबर

कालीचरण सराफ ने ली प्रोटेम स्पीकर की शपथ

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ राजस्थान विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) होंगे। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार शाम राजभवन में एक समारोह में सराफ को शपथ दिलाई। राज्यपाल मिश्र ने उनके साथ सहयोग के लिए तीन सदस्यीय पैनल भी बनाया है। इसमें वरिष्ठ विधायक दयाराम परमार, प्रताप सिंह सिंघवी और किरोड़ी लाल मीणा शामिल हैं। समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे। समारोह की कार्यवाही का संचालन प्रमुख सचिव संसदीय कार्य विभाग ज्ञान प्रकाश गुप्ता ने किया।

कोरोना से पांच की मौत, अलर्ट मोड पर सरकार

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना अपने पैर पसार रहा है। भारत के विभिन्न राज्यों में कोरोना केसों में उछाल देखने को मिले हैं। कोविड-19 संक्रमण के नए वेरिएंट जेएन-1 की केरल में पुष्टि के बाद सरकार देशभर में अलर्ट मोड पर है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 335 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, यूपी और केरल में कोरोना से पांच लोगों की मौत हुई है। उधर, डब्ल्यूएचो भारत समेत कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों से चिंता में है।

सीएम की ब्यूरोक्रेट्स के साथ पहली मीटिंग

भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगी सरकार

बेधड़क | जयपुर

सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार एक्शन में दिख रहे हैं। पहली प्रेस ब्रीफिंग में जनहित की बात करने वाले सीएम ने अब ब्यूरोक्रेट्स के साथ पहली मीटिंग की और इसमें एक बार फिर से यह साफ कर दिया है कि उनकी सरकार में जनहित सर्वोपरि होगा। मीटिंग में मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगी। भ्रष्टाचारियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके अलावा सीएम ने सभी अधिकारियों से अपने-अपने विभागों से संबंधित 100 दिन की कार्य योजना मांगी है।

दिल्ली से लौटते ही सीएम ने विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अफसरों के साथ पहली बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि उनके फैसलों में हमेशा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को केंद्र में रखा जाना चाहिए। इसके लिए सभी अफसर अगले 25 साल का विजन भी सरकार को बताएं। सीएम ने कहा, 100 दिन की कार्ययोजना में भी इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इसमें कैसे विकसित भारत संकल्प यात्रा के अधिक से अधिक बिन्दु कवर हो सकें।

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि टीम राजस्थान प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री द्वारा बताए गए विजन के अनुसार लक्ष्य निर्धारण कर उनकी प्राप्ति के लिए एक्शन-प्लान बनाकर कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागवार कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

भ्रष्टाचार नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, महिला सुरक्षा एवं सुदृढ कानून-व्यवस्था हमारी प्राथमिकता है। वित्तीय व्यय की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि पाई-पाई जनकल्याण में लगाई जा सके। प्रशासन में किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार सामने आने पर जवाबदेही तय कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी एवं भ्रष्टाचारियों का बचाव करने वालों को भी नहीं बख्शा जाएगा। सरकारी कार्यालयों में आमजन के कार्य पूर्ण पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ किए जाएं।

रोड मैप तैयार करें अफसर

सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार देश के विकास के लिए दूरगामी सोच के साथ कार्य कर रही है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर इसका एक उदाहरण है। इसी सोच के साथ सभी अफसरों को प्रदेश की उन्नति के लिए नीति-निर्धारण एवं क्रियान्वयन करना है। अगले 25 वर्षों में प्रदेश का विकास कैसे हो एवं भविष्य में आने वाली सभी चुनौतियों का सामना कर प्रदेश कैसे सर्वश्रेष्ठ बने, इस दिशा में आपको कार्य करना है।

अवैध फोन टैपिंग पर 3 साल जेल, दो करोड़ का जुर्माना

एजेंसी | नई दिल्ली

अवैध रूप से फोन संचार को बाधित करना, अनधिकृत डेटा स्थानांतरण या दूरसंचार नेटवर्क तक पहुंच हासिल करने का प्रयास करने पर जल्द ही तीन साल तक की कैद की सजा या दो करोड़ रुपए तक का जुर्माना या दोनों लागू हो सकते हैं।

लोकसभा में सोमवार को पेश किए गए नए दूरसंचार विधेयक, 2023 के अनुसार, यदि कोई राष्ट्रीय सुरक्षा, दूसरे देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के हित के खिलाफ किसी भी तरह से काम करता है और अवैध रूप से दूरसंचार उपकरणों का उपयोग करता है, तो उसे तीन साल तक की कैद की सजा सुनाई जा सकती है या दो करोड़ रुपए तक का जुर्माना लग सकता है या दोनों सजा दी जा सकती हैं। यदि केंद्र सरकार उचित समझती है तो ऐसे व्यक्ति की दूरसंचार सेवा निलंबित या समाप्त भी कर सकती है। विधेयक में कहा गया है कि जो कोई भी महत्वपूर्ण दूरसंचार बुनियादी ढांचे के अलावा दूरसंचार नेटवर्क को नुकसान पहुंचाता है, वह नुकसान के एवज में मुआवजे और 50 लाख रुपए तक के जुर्माने के लिए उत्तरदायी होगा।

विधेयक में कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा अधिकृत कोई भी अधिकारी किसी भी इमारत, वाहन, जहाज, विमान या स्थान की तलाशी ले सकता है, जहां उसे कोई अनधिकृत दूरसंचार नेटवर्क या दूरसंचार उपकरण या रेडियो उपकरण रखने या छिपाये जाने का भरोसा हो। विधेयक के अनुसार, अधिकृत व्यक्ति इस तरह के उपकरण को अपने कब्जे में ले सकता है।

लोकसभा में बिल पेश

ज्ञानवापी मामला ASI ने सर्वेक्षण रिपोर्ट की दाखिल

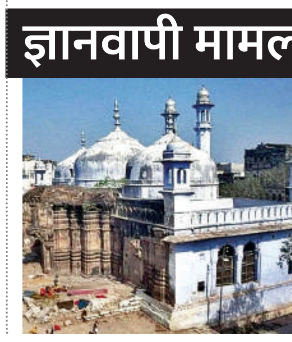

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण की रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में सोमवार को वाराणसी की जिला अदालत में दाखिल कर दी। जिला न्यायाधीश ने लिफाफा खोलने और पक्षकारों को सर्वेक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए 21 दिसंबर की तिथि तय की है। हिंदू याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों ने अपने अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव के जरिए ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण की रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में वाराणसी की जिला अदालत में दाखिल कर दी है।

पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

'सरकारी गलती' से सड़क हादसों में रोज 95 लोग तोड़ रहे हैं दम

- 10 महीने में 9 हजार 795 लोगों की मौत, 19 हजार घायल
- हादसों के ब्लैक स्पॉट चिह्नित, लेकिन अफसर नहीं कर रहे सुधार

बेधड़क एक्सक्लूसिव

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश की सड़कें रोजाना 95 से ज्यादा लोगों के खून से लाल हो रही है। वजह है सड़क निर्माण के दौरान हुई तकनीकी खामियां। पुलिस हर साल जहां पर सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं, उन प्वाइंटों को चिह्नित करके वहां पर वाली घटनाओं के तकनीकी खामियों की रिपोर्ट तैयार करके छह विभागों के अफसरों को उनको दूर करने के लिए लिखती है, लेकिन अफसर उन तकनीकी खामियों को दूर ही नहीं कर रहे हैं। ऐसे में तीन साल बाद फिर से प्रदेश में 6.68 फीसदी सड़क हादसे बढ़ गए है। इस साल अक्टूबर माह तक 20 हजार 989 सड़क हादसे हुए हैं। इन हादसों में 9 हजार 795 लोगों की मौत हुई है और 19 हजार 810 लोग घायल हो गए।

यह आंकड़ा हाल ही में पुलिस मुख्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में हुआ है। हादसों में सबसे ज्यादा मौते दो पहिया वाहन चालकों की हुई है। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए तत्कालीन एडीजी ट्रैफिक वीके सिंह ने तीन विभागों के साथ मिलकर ब्लैक स्पॉट प्वाइंट में सुधार करने की पहल की थी और बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रदेश भर में अभियान चलाया था, लेकिन स्थानीय विधायकों ने अभियान पर नाराजगी जताई थी और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अभियान के बारे में अवगत कराया था। ऐसे में सरकार ने वीके सिंह को एडीजी ट्रैफिक पद से हटा दिया और फिर से वाहन चालकों पर अंकुश लगना बंद हो गया। उनके हटने के बाद ब्लैक स्पॉट में भी सुधार नहीं हुआ।

इन विभागों को करना था सुधार

ट्रैफिक पुलिस सड़क हादसों के प्वाइंटों को चिह्नित करके रिपोर्ट सरकार को भेजती है। इसके बाद सड़क मार्गों में तकनीकी कारणों से होने वाले हादसों को रोकने के लिए उन खामियों को दूर करने की जिम्मेदारी जेडीए, नगर निगम, नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी, एनएचआई व नगर पालिकाओं की थी, लेकिन इन विभागों के अफसर इन खामियों को दूर ही नहीं करते है। बांसवाड़ा रेंज में ही सड़क हादसों में कमी आई है।

यह स्थिति है सड़क हादसों की अक्टूबर माह तक

रेंज	हादसे	मौत	घायल
अजमेर	2595	1366	2487
जयपुर कमिश्नरेट	2460	691	1989
जयपुर रेंज	2934	1322	2605
सीकर रेंज	1666	889	1617
बीकानेर रेंज	1151	704	1054
भरतपुर रेंज	1662	907	1493
जोधपुर कमिश्नरेट	604	226	516
जोधपुर रेंज	1070	720	1143
पाली रेंज	1113	621	1239
कोटा रेंज	1922	635	1962
उदयपुर रेंज	2788	1233	2566
बांसवाड़ा रेंज	1028	481	1139

जरूरी खबर

बैठक में राष्ट्रपति की जैसलमेर यात्रा को लेकर चर्चा

बेधड़क,जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 दिसंबर को जैसलमेर जिले की यात्रा पर आ रही हैं। ऐसे में सोमवार को राष्ट्रपति की यात्रा के दौरे की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव उषा शर्मा ने संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। प्रोटोकॉल के साथ ही राष्ट्रपति भवन से प्राप्त निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना की जाए। राष्ट्रपति की प्रस्तावित यात्रा के मद्देनजर चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था, रूट सहित अन्य सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की जाए।

पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस का सर्वोदय संवाद आज

बेधड़क,जयपुर। कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ओर से पीसीसी में प्रदेश की संपूर्ण कार्यकारिणी का सर्वोदय संवाद मंगलवार को होगा। संवाद की जिम्मेदारी संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मीनाक्षी नटराजन के निर्देश पर प्रियंका गांधी के सहयोगी एवं पूर्व उत्तर प्रदेश सह प्रभारी सचिन नायक को दी गई है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी.बी.यादव ने बताया कि विधानसभा चुनाव के उपरांत पार्टी के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों से निपटने और आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए इस संवाद कार्यक्रम में कार्य योजना बनाई जाएगी।

सीएम ने की बिरला, गडकरी व जोशी से मुलाकात

बेधड़क. जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उनके साथ दोनों उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी मौजूद रहे। तीनों नेताओं के साथ स्पीकर की यह शिष्टाचार मुलाकात थी। बिरला ने सीएम भजनलाल शर्मा व दोनों उपमुख्यमंत्रियों को शुभकामनाएं दी। सीएम ने सांसदों से मिलकर विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया। इधर, विधायक डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने उपराष्ट्रपति धनखड़ से मुलाकात की।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष के निशाने पर विरोधी: मुंह में राम बगल में छुरी रखकर कुछ लोग सत्ता के नजदीक आना चाह रहे

चुनाव में हार पर बोले राठौड़... पार्टी के जयचंदों ने हराया मुझे

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों में हार के बाद भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सोमवार को पहली बार खुलकर बात रखी।

राठौड़ ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी हार के कारण बताए। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में हार हुई है। जनता का फैसला स्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि मेरी हार में कई जयचंदों ने भी अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि मुंह में राम बगल में छुरी लेकर भी कई लोग सत्ता के नजदीक आने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे और पार्टी के साथ

राठौड़ के बयान के बाद भाजपा में हलचल

भीतरघात करने वालों के चेहरे से नकाब जल्द ही कार्यकर्ता खीचेंगे और सबके सामने लाएंगे।

लोकसभा चुनाव लड़ने लेकर राठौड़ ने कहा कि मैं जमीनी कार्यकर्ताओं हूं, जो पार्टी का आदेश होगा, वह मान्य होगा। मंत्रिमंडल को लेकर कहा कि एक हारे हुए व्यक्ति की मंत्रिमंडल में क्या भूमिका होगी? मंत्रिमंडल कैसा होगा, इस पर मुझे टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है, लेकिन इसका फैसला जल्द होगा और संतुलित होगा।

करेंगे जन कल्याण

राठौड़ ने कहा कि जिस लूट और झूठ की सरकार की हमने विदाई की है, उसकी लूट को भी बाहर निकालेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार सच्चाई के रास्ते पर चलकर जनता के कल्याण के लिए काम करेगी। संकल्प पत्र में जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने के लिए सरकार अपना रोडमैप बनाएगी। उन्होंने कहा कि भजनलाल की सरकार ऐसे भजन करेगी कि उनकी वाणी से कल्याण ही कल्याण निकलेगा। अब जल्द ही मंत्रिमंडल शपथ ले लेगा। तीसरी बार मोदी सरकार बने, इस संकल्प के साथ वापस चुनाव मैदान में उतरेंगे।

पूर्व सीएम ने नहीं बनाया जिला, पूर्व विधायक ने भी नहीं दिखाई रुचि

प्रदेश की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा में रहे पोकरण के विधायक महंत प्रतापपुरी ने मंत्रिमंडल में जगह को लेकर कहा कि पीएम मोदी की नजरें बहुत दूर तलक जाती हैं और उनकी नजरें सभी पर हैं। वो जिसे हाथ लगाएंगे वही मंत्री बन जाएगा। बाड़मेर पहुंचे पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि सभी 115 विधायकों पर मोदी जी की नजरें हैं। वहां एक प्रतापपुरी नहीं वहां 115 भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं। हम माला के रूप में 115 बीजेपी के मोती हैं।

मोदी जी जिसे चाहेंगे पद दे देंगे और वह अपने कर्तव्य का पालन करेगा। उन्होंने कहा- मैं अकेला पहली बार विधायक बन कर नहीं आया हूं। ऐसे कई भारतीय जनता पार्टी की प्रतिभाएं हैं जो कर्मयोगी बनकर लगातार जनता के सेवा कर रहे हैं। मोदी जी हमारे हृदय में है और मोदी जी के हृदय में हम सब हैं। उन्होंने पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम ने पिटारा खोलकर जिले बनाए। लेकिन, पोकरण सबसे पहले जिला बनाना चाहिए। यह मांग पहले से की जा रही थी, लेकिन पोकरण को इग्नोर करके जिला नहीं बनाया। उस समय के कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद यदि मन से चाहते तो पोकरण जिला अवश्य बनता। उनके मन में कोई और भाव होगा इस वजह से जिला नहीं बना। मेरी प्राथमिकता रहेगी अब जब भी जिले की लिस्ट आएगी तब पोकरण को जिला बनाने का प्रयास करूंगा।

विकसित भारत से लोगों को जोड़ेगी BJP, कांग्रेस में युवा आएंगे आगे

लोस चुनाव के लिए दोनों ही दलों का मास्टर प्लान तैयार

हरीश भामणिया | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस व भाजपा अब लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई हैं। इसके तहत दोनों ही पार्टियों ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। इसके तहत प्रदेश में भाजपा ने इसकी शुरुआत कर दी है। 16 दिसंबर को केंद्र सरकार की

कांग्रेस ब्लॉक से लेकर जिलों में जनजागरण का चलाएगी अभियान

'विकसित भारत योजना' की प्रदेश में लॉचिंग के बाद बड़ी योजनाओं के साथ भाजपा गावं और ढ़ाणी तक पहुंचेगी। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस इसी सप्ताह कभी भी प्रदेश संगठन में बदलाव कर युवा नेताओं को अग्रीम पंक्ति में लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पार्टी में कवायद शुरू की जा चुकी है। सूत्रों की माने तो कांग्रेस आलाकमान ने लोकसभा चुनाव से पूर्व सभी जिलों के अलावा स्थानीय संगठन में भी युवाओं व अनुभव वाले नेताओं को आगे लाया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अनुसार हाल ही में विधानसभा चुनावों में तीन राज्यों में हुई पार्टी की हार के बाद अब युवाओं को संगठन में तव्वजों दी जाएगी। बहरहाल, यह कहना अतिशियोक्ति नही होगा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर अब प्रदेश में दोनों ही दलों ने रणनीति बनाना शुरू कर दिया है।

BJP: केंद्र की योजनाओं को लेकर देशभर में घूमेगा प्रचार रथ

इसके मायने: योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के साथ लोगों से फीडबैक लेना

विकसित भारत संकल्प यात्रा (शहरी व ग्रामीण अभियान) का शुभारंभ हो चुका है। प्रदेश में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने योजनाओं की जानकारी वाले प्रचार रथ को रवाना कर इसकी शुरुआत कर दी है। शहरी अभियान के तहत यात्रा का शुभारंभ सोमवार को राजधानी जयपुर से हो चुका है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व देश की राजधानी दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में 'विकसित

भारत संकल्प रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था, जिसे अब देश के सभी प्रदेशों में प्रसारित किया जा रहा है।

कांग्रेस में युवाओं के साथ अनुभवी नेताओं को आगे लाया जाएगा

इसके मायने: राहुल गांधी के नेतृत्व में युवाओं की भूमिका को सर्वोपरि रखना

विधानसभा चुनावों में हार के बाद अब कांग्रेस संगठन में फेजवार कुछ बदलाव होंगे। इसमें युवाओं को मौका दिया जा सकता है। इसकी शुरुआत पहले फेज में नेता प्रतिपक्ष के पद पर नियुक्ति कर की

जाएगी। इस सप्ताह नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा होने के आसार हैं। कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष के पद पर पार्टी के कोर वोट बैंक से जुड़े वर्ग से ही बनाया जाएगा। अब तक जितने भी नेता प्रतिपक्ष गए हैं उनमें पार्टी ने यही फॉर्मूला अपनाया है। लोकसभा चुनावों में केवल पांच महीने का समय बचा है, इसलिए जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर ही इस पद पर नियुक्ति की जाएगी। जाट और आदिवासी चेहरों में से नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की चर्चा है।

डोनेट फॉर देश अभियान शुरू

गहलोत ने एक लाख अड़तीस हजार रुपए का दिया चंदा

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले आम जनता से चंदा एकत्र करने के लिए सोमवार को डोनेट फॉर देश नाम से अभियान शुरू किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक कार्यक्रम में इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने खुद 1.38 लाख रुपए का अंशदान दिया।

वहीं केम्पेन में पूर्व मुख्यमंत्री शोक गहलोत ने भी पार्टी के लिए क्राउड फंडिंग के तहत अपने वेतन से 1,38,000 रुपए का योगदान दिया है। कांग्रेस, वेबसाइट और एक ऐप के माध्यम से यह अभियान चला रही है। इस संबंध में खरगे ने कहा कि 'डोनेट फॉर देश' अभियान के माध्यम से कांग्रेस आम जनता से मदद लेकर देश को आगे ले जाने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, आज खुशी दिन का दिन है कि हमारे नेताओं ने मिलकर एक ऐप तैयार किया है। कांग्रेस को हमेशा ही आम जनता की मदद मिलती रही है।

महात्मा गांधी ने भी देशवासियों की मदद लेकर देश को आजादी दिलाई थी। यह अभियान पूरे देश में एक मुहिम बन रहा है, जिसमें लोग आगे आकर देश के लिए डोनेट कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि अगर सिर्फ अमीरों पर भरोसा करके काम करते जाएंगे तो आगे आपको उनके कार्यक्रम और नीतियों को मानना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश की इकलौती पार्टी है जो गरीबों के साथ है।

28 दिसंबर को कांग्रेस का स्थापना दिवस

देश की मुख्य विपक्षी पार्टी 28 दिसंबर को अपने 138वें स्थापना दिवस मनाएगी। इस अभियान के माध्यम से लोगों से 138 रुपए, 1,380 रुपए, 13,800 रुपए और इससे 10 गुना राशि चंदे के रूप में देने की अपील कर रही है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया के यह अभियान मुख्य रूप से पार्टी के स्थापना दिवस 28 दिसंबर तक ऑनलाइन रहेगा, जिसके बाद हम जमीनी अभियान शुरू करेंगे। इसके तहत पार्टी से जुड़े स्वयंसेवी घर-घर जायेंगे और प्रत्येक बूथ में कम से कम 10 घरों को लक्षित करके हर घर से कम से कम 138 रुपए का अंशदान सुनिश्चित करेंगे।

पूर्व सीएम गहलोत की राज्यपाल से भेंट

राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत की यह शिष्टाचार भेंट थी।

राजनीतिक दलों के लिए निर्वाचन आयोग ने जारी किए निर्देश

अब ऑनलाइन देना होगा लेखा-जोखा

बेधड़क | जयपुर

भारत निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों को अंशदान रिपोर्ट, अंकेक्षित वार्षिक लेखा और निर्वाचन व्यय विवरण निर्धारित समय सीमा में दाखिल करने को कहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आयोग की ओर से जारी पारदर्शिता दिशा-निर्देश और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अंशदान रिपोर्ट, अकेक्षित वार्षिक

लेखा एवं निर्वाचन व्यय विवरण निर्धारित समय सीमा में दाखिल करना होगा। वहीं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को तीनों पालना रिपोर्ट आयोग के समक्ष दाखिल करनी होगी। उन्होंने बताया कि अंशदान रिपोर्ट 30 सितंबर या सीबीडीटी द्वारा आईटीआर भरने की बढ़ाई गई अंतिम तारीख तक, अंकेक्षित वार्षिक लेखा आईटीआर भरने की अंतिम तारीख से 1 महीने तक और निर्वाचन व्यय विवरण की आंशिक रिपोर्ट परिणाम जारी होने के 30 दिन के अंदर जबकि निर्वाचन व्यय विवरण की अंतिम रिपोर्ट विधानसभा चुनाव परिणाम जारी होने के 75 दिवस के भीतर दाखिल करना होगा। इसके लिए आईईएमस पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के संबंध में https://ceorajasthan.nic.in/ वेबसाइट पर भी विस्तार से बताया गया है।

राजनीतिक दलों को जानकारी के लिए सोमवार को सचिवालय स्थित कॉनफ्रेंस हॉल में आईईएमएस पोर्टल की हैंडस् ऑन ट्रेनिंग दी गई। वहीं मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में एक हैल्प डेस्क भी स्थापित की गई है।

श्रीकरणपुर विधानसभा चुनाव

भाजपा ने चुनाव संचालन समिति का गठन कर तय की जिम्मेदारियां

मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर सौंपा दायित्व

बेधड़क | जयपुर

श्रीगंगानगर की श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर होने वाले चुनाव के लिए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के दिशा-निर्देशानुसार चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया है।

भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि श्रीकरणपुर विधानसभा चुनाव के लिए बनाई गई चुनाव संचालन समिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री एंव प्रदेश उपाध्यक्ष सीआर चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष

सरदार अजयपाल सिंह, एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल और गंगानगर के जिलाध्यक्ष श्रवणपाल मान को दायित्व सौंपा गया है। विधानसभा क्षेत्र के आठ मंडलों में डूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, भादरा विधायक संजीव कुमार बेनीवाल, लूणकरणसर विधायक सुमित गोदारा, सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़, रायसिंह नगर के पूर्व विधायक बलवीर लूथरा और सूरतगढ़ के पूर्व विधायक अशोक नागपाल को भिन्न मंडल प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। वहीं विधानसभा क्षेत्र के सभी 37 शक्ति केंद्रो और 249 बूथों पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे गए हैं।

श्रीकरणपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सभा आज

श्रीगंगानगर की श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को कांग्रेस की सभा होगी। सभा में पूर्व सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्रसिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा भी आएंगे। वे कस्बे के खुशी एनक्लेव में सभा को संबोधित करेंगे। श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस कैंडिडेट गुरमीतसिंह कुन्नर के निधन के बाद यहां चुनाव स्थगित कर दिया गया था। ऐसे में 199 सीटों पर ही चुनाव हुए थे। अब मंगलवार को नाम वापसी का अंतिम दिन है। इसी दिन कांग्रेस ने सभा रखी है।

कांग्रेस ने दिवंगत MLA गुरमीत सिंह कुन्नर के बेटे रुपिंदर को बनाया प्रत्याशी

यहां से कांग्रेस ने गुरमीत कुन्नर के बेटे रुपिंदर सिंह कुन्नर को कैंडिडेट बनाया है। रुपिंदर का मुकाबला यहां भाजपा के पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी और आम आदमी पार्टी के पृथीपालसिंह संधू से है। खुशी एनक्लेव में सभा की तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसके अलावा एंट्रीगेट आदि की व्यवस्था देखी जा रही है। सभा के लिए बड़ी संख्या में कुर्सियां लगाई गई हैं। गहलोत यहां रुपिंद्र सिंह कुन्नर के समर्थन में आएंगे। सुबह डीएसपी सुधा पालावत ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ एसएचओ सतीश यादव भी थे। पूर्व सीएम अशोक गहलोत की सभा के अलावा कांग्रेस ने यहां 25 लोगों को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी दी है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकुर मगलानी ने बताया कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत हेलीकॉप्टर से श्रीकरणपुर में आएंगे। प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा और प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिह डोटासरा भी सभा को संबोधित करेंगे।

जरूरी खबर

अवैध कॉलोनियों को जेडीए दस्ते ने किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने जोन-12 में निजी खातेदारी की करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर बस रही दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-12 के ग्राम कालवाड़ रोड पर करीब पांच बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के और बिना भू रूपान्तरण कराए भूमि को समतल कर आजाद नगर के नाम से अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। उसे सोमवार को जोन-12 के राजस्व और तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते ने ध्वस्त कर दिया। वहीं, जोन-12 के गजाधरपुरा सारणों की ढाणी में करीब पांच बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी, जिसे भी मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर दिया गया।

कांस्टेबल भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा 27 को

जयपुर। कांस्टेबल भर्ती-2023 के अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। जयपुर ग्रामीण जिले के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा व शारीरिक मापतौल परीक्षा राजस्थान पुलिस अकादमी स्टेडियम नेहरू नगर जयपुर में 27 दिसंबर को सुबह 6 बजे से होगी। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं शारीरिक मापतौल के लिए अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पुलिस मुख्यालय द्वारा विभाग की वेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in एवं recruitment2.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दिए जाएंगे। पात्र अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र वेबसाइट से अपनी शारीरिक दक्षता परीक्षा से एक सप्ताह पूर्व डाउनलोड कर सकते हैं।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

पौध खरीदने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने जारी नहीं किया बजट

RU की लापरवाही से इस वर्ष नहीं लगेगी गुलदाउदी प्रदर्शनी

बेधड़क | जयपुर

शीत ऋतु में जयपुरवासियों का मन मोहने वाले गुलदाउदी के पुष्प इस बार राजस्थान विश्वविद्यालय की उदासीनता के कारण नहीं मिल पाएंगे। गौरतलब है कि पिछले 37 सालों से राजस्थान विश्वविद्यालय की नर्सरी में शीत ऋतु में गुलदाउदी पुष्पों की प्रदर्शनी लगाई जाती है। इसको लेकर जयपुर वासियों में खासा उत्साह रहता है।

जयपुरवासी हर वर्ष 35 से अधिक किस्मों के गुलदाउदी के पुष्प को प्रदर्शनी से खरीदकर ले जाते थे, लेकिन इस वर्ष ऐसा नहीं होगा। जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार गुलदाउदी की पौध खरीदने के लिए 30 से 40 हजार तक लगने वाला बजट ही जारी नहीं किया। बजट जारी नहीं होने से इस बार न तो गुलदाउदी की पौध खरीद पाए और न ही उनका सरक्षण कर उनको को पौधों का रूप दे पाए। विश्वविद्यालय की एक गलती के कारण जयपुर के हजारों गुलदाउदी पुष्प के प्रेमियों को अलगे साल का इंतजार करना पड़ेगा। गुलदाउदी प्रदर्शनी में हर वर्ष दिसंबर माह में 35 से अधिक किस्मों के रंग बिरंगे गुलदाउदी पुष्प के 3 हजार से अधिक गमले की प्रदर्शनी लगाई जाती थी। राजस्थान विश्वविद्यालय में गुलदाउदी देखने एवं खरीदने वालों का मेला लग जाता था। इससे विश्वविद्यालय को आमदनी भी होती थी, लेकिन इस बार प्रशासन की लापरवाही से विश्वविद्यालय और लोगों को नुकसान उठाना पड़ेगा।

पिछली बार 40 से ज्यादा थी किस्में

पिछली बार राजस्थान विश्वविद्यालय में गुलदाउदी की 40 से ज्यादा वैरायटी की दो दिवसीय प्रदर्शनी लगाई गई थी। प्रदर्शनी का एडीजी उमेश मिश्रा और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था। प्रदर्शनी में गुलदाउदी के 6 ग्रुप की करीब 40 से 45 किस्मों के 3700 पौधे तैयार किए गए थे। इसमें से कुछ कलियों को कोलकाता से मंगाया गया था, जबकि बाकी सभी ग्रुप और किस्में यहां पर ही तैयार की गई थी।

154 की जगह रह गए 11 बागवान

राजस्थान विश्वविद्यालय उद्यान विभाग में गुलदाउदी की पौध लगाने से लेकर उनको बड़ा करने में पहले 154 बागवान का करते थे। इन बागवानों में कई स्पेशलिस्ट थे जो कई प्रकार की किस्मों के जानकर थे, लेकिन इस में से कई रिटायर हो गए और कई अस्थायी कर्मचारियों को हटा दिया गया। वर्तमान में नर्सरी में केवल 11 बागवान ही कार्यरत हैं। वहीं, उद्यान अधीक्षक आरके यादव भी सेवानिवृत्त हो गए हैं। ऐसे में इतनी बड़ी नर्सरी में केवल 11 बागवान कैसे संभाल पाएंगे। विगत वर्षों में राज्य सरकार ने सहायक कर्मचारी वर्ग से सम्बन्धित पदों पर 63 स्थाई कर्मचारियों की भर्ती करने की अनुमति दी थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर्मचारियों की भर्ती नही की।

> विश्वविद्यालय से गुलदाउदी की पौध और प्रदर्शनी को लेकर हर वर्ष की तरह बजट मांगा गया था, लेकिन इस बार बजट नहीं मिल पाया। ऐसे में इस बार प्रदर्शनी नहीं लग पाएगी। वहीं, गुलदाउदी की किस्मों के विशेषज्ञ भी सेवानिवृत्त हो गए और बागवान भी केवल 11 ही रह गए।
>
> **प्रो. राम अवतार शर्मा,** नर्सरी इंचार्ज

एनआईए ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, सभी को जेल

हथियारों के लिए नेपाल में बैठे विक्रम ने जमा कराए थे छह लाख

पूजा सैनी से पूछताछ व उनके बैंक खातों की जांच पड़ताल में खुलासा

बेधड़क | जयपुर

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या करने वाले शूटरों को हथियार उपलब्ध कराने और पनाह देने के लिए नेपाल में बैठे विक्रम चारण ने चंडीगढ़ से महेन्द्र की महिला मित्र के खाते में छह लाख रुपए जमा कराए थे। यह खुलासा पूजा सैनी से पूछताछ व उनके बैंक खातों की जांच पड़ताल में हुआ है। आरोपी महेन्द्र गैंग के गुर्गों को पनाह देने व वारदात से पहले उनको हथियार उपलब्ध कराने का काम करता था। इसकी एवज में विक्रम व रोहित गोदारा उसके बैंक के खाते में लाखों रुपए ट्रांसफर कराते थे। महेन्द्र ने ही राजू ठेहट की हत्या के लिए हथियार पहुंचाए थे। पुलिस महेन्द्र की तलाश कर रही है। महेन्द्र पर पुलिस ने दो लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है। एनआईए ने सोमवार को हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी नितिन फौजी, रोहित राठौर, रामवीर जाट, सुमित, राहुल, भवानी उर्फ रोनी, उधम सिंह को एनआईए कोर्ट में पेश किया।

फोटो: पंकज शर्मा

अब एनआईए तीन बिंदुओं पर करेगी जांच

हत्याकांड की जांच जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की टीम कर रही है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई के सुपरविजन में एसआईटी ने दो शूटर व एक युवती समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी थी। एनआईए के अधिकारी पिछले चार दिन से आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि एनआईए के अधिकारी अब इस मामले में विदेश में बैठे रोहित गोदारा व विक्रम चारण की भूमिका, हथियार तस्करी के रैकेट व मनी ट्रांजेक्शन होने की जांच करेगी।

घर में घुसकर मारी थी गोलियां

5 दिसंबर को 2 बदमाशों ने गोगामेड़ी पर गोलियां चलाईं, फिर भाग निकले थे। गोगामेड़ी को मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। गोगामेड़ी के साथ घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बदमाशों की फायरिंग में नवीन शेखावत की भी मौत हो गई थी। नवीन ही बदमाशों को गोगामेड़ी के घर ले गया था। इसके बाद में उपचार के दौरान अजीत की भी मौत हो गई थी।

अवैध नल कनेक्शन के खिलाफ सर्वे

125 लोगों ने कनेक्शन के लिए किया आवेदन

बेधड़क | जयपुर

शहर में अवैध नल कनेक्शन को चिह्नित कर हटाने को लेकर जलदाय विभाग की ओर से सोमवार को सर्वे अभियान की शुरुआत कर दी गई। जलदाय विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों ने शहर के कई इलाकों में घर-घर जाकर लोगों के घरों के कनेक्शनों की जांच पड़ताल करते हुए सर्वे किया। सर्वे में कई लोगों के फर्जी नल कनेक्शन सामने आए।

इस पर विभाग कार्मिकों ने समझाइश की। जलदाय विभाग के इस अभियान से लोगों में हड़कंप मच गया। नल कनेक्शन कटने के डर से 125 से ज्यादा अवैध नल कनेक्शन करने वालों ने अपने नल कनेक्शन रेगुलाइज करने के लिए विभाग में आवेदन कर दिया। जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि शहर में पेयजल की वितरण लाइनों पर पानी चोरी रोकने को लेकर अवैध कनेक्शनों के खिलाफ सर्वे अभियान की शुरुआत सोमवार से कर दी गई। पहले दिन विभाग के अधिशासी अभियंता से लेकर सहायक अभियंता व कर्मचारियों ने फील्ड में जाकर नल कनेक्शनों का सर्वे करना शुरू किया।

समझाइश करते हुए अवैध कनेक्शन हटाने या रेगुलाइज करने की हिदायत दी। राठौड़ ने बताया कि यह समझाइश का दौर सप्ताहभर तक चलाया जाएगा। इस दौरान लोगों को अपने कनेक्शन हटाने या रेगुलाइज करने की समझाइश की जाएगी। फिर भी अगर लोग नहीं माने तो कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई दुबारा से कनेक्शन करेगा तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाएगी।

राठौड़ ने बताया कि अभियान का पहले दिन अच्छा असर देखने को आया है। वहीं अभियान के दौरान फील्ड अधिकारियों को कनेक्शनों की गहनता से जांच कर रजिस्टर में एंट्री करने को निर्देशित किया गया है।

जयपुर स्थापना दिवस समारोह का समापन

जलमहल की पाल पर हेरिटेज नाइट

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगरी के स्थापना के 296 वर्ष पूर्ण होने पर नगर निगम जयपुर हेरिटेज की ओर से रगांरगं राजस्थानी हेरिटेज नाइट सांस्कृतिक संध्या का आयोजन जलमहल की पाल पर किया। नाइट की शुरुआत राणा ढोली ग्रुप के गणेश और शिवम राणा ने राजस्थानी लोक नृत्य गायन घर में पधारो गजानंद जी, म्हारे धर मे पधारो... और मांड गायन केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश से की। कार्यक्रम के

मुख्य कलाकार इंडियन आईडल फेम बालीवुड सिंगर सवाई भट्ट ने दर्शकों को गुनगुनाने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंदाचार्य, महापौर मुनेश गुर्जर, आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, उप महापौर असलम फारुकी, पार्षद आशा, मोहम्मद शफीक कुरैशी, अफजल महबूब, अतिरिक्त आयुक्त करतार सिंह, उपायुक्त मनीषा यादव, संजु पारीक, नूर मोहम्मद, उप निदेशक जन सम्पर्क मोतीलाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

वर्षगांठ पर डेवलपर्स का किया सम्मान

IT सेक्टर में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में देश में आईटी की अपार संभावनाएं बनी है। युवा वर्ग इस सेक्टर में नई ऊर्जा के साथ देश का नाम रोशन कर रहे हैं। जयपुर में भी ए टू ग्रुप ने पिछले तीन वर्षों में आईटी सेक्टर में सैकड़ों आइटियंस तैयार किए हैं। ये संस्था पीएम मोदी के विजन को साकार कर रही है।

ये कहना है हवामहल विधायक बाल मुकुंद आचार्य का। विधायक आचार्य आमेर रोड स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के सभागार में ए टू

जी की तीसरी वर्षगांठ पर स्टूडेंट्स को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्था के निदेशक आशुतोष बर्मन और उप निदेशक अंकित सामंत को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में संस्था निदेशक आशुतोष बर्मन ने विधायक बाल मुकुंद आचार्य का बुके और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक ने संस्था के आईटी डेवलपर्स और अचीवर्स को सम्मनित किया। कंपनी के उपनिदेशक अंकित सामंत ने बताया कि संस्था जयपुर से अलावा मुंबई और दिल्ली में भी काम कर रही है। संस्था के निदेशक आशुतोष बर्मन ने बताया कि ए-2 ग्रुप पूरे भारत में मल्टी वेंचर कॉरपोरेशन है, जिसमें शिक्षा से सम्बंधित कॉउंसलिंग, सॉफ्टवेयर डेवेलपमेंट, वेबसाइट डिज़ाइन, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी इत्यादि सेक्टर्स में बेहतरीन कार्य कर रही है। ए-2 ग्रुप ने परोपकार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। कंपनी की चौथी ब्रांच कोलकाता में भी शीघ्र शुरू होने जा रही है।

10 जिलों में बारिश का अलर्ट, फतेहपुर-चूरू में गिरा तापमान

राजधानी में शाम के समय ठंडक बढ़ी, गलन ने छुड़ाई कंपकंपी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में बदलते मौसम ने सर्दी का अहसास करा दिया है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों मे प्रदेश के विभिन्न जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

इधर, हिल स्टेशन माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन पारा माइनस में रहा। सोमवार को यहां न्यूनतम पारा माइनस एक डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां पिछले तीन दिन से पारा स्थिर बना हुआ है।

जयपुर में सोमवार को न्यूनतम पारा 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। प्रदेश के शेखावाटी में सोमवार को फतेहपुर-चूरू में तापमान में गिरावट देखी गई। फतेहपुर में सोमवार सुबह तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। यहां सुबह घना कोहरा रहा। इससे विजिबिलिटी कम रही।

मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत से लगातार आ रही सर्द हवाओं के कारण राजस्थान के शहरों के तापमान में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। कोटा के मिनिमम तापमान में भी गिरावट हुई। विशेषज्ञों का मानना है कि बीकानेर, जोधपुर संभाग के 10 जिलों में 23 दिसंबर से बारिश हो सकती है। अजमेर, जोधपुर में सोमवार न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ। जोधपुर में न्यूनतम तापमान आज 13.8 जबकि अजमेर में 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गंगानगर, हनुमानगढ़ के एरिया में

भी सोमवार सुबह कोहरा रहा। गंगानगर में सोमवार न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा। आगामी दिनों में भी सर्दी के तेवर तीखे ही रहने की संभावना जताई जा रही है।

23 से यहां हो सकती है बारिश

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि 23 दिसंबर से एक नया वेदर सिस्टम उत्तर भारत में एक्टिव होगा। इसके असर से राजस्थान उत्तर-पश्चिमी इलाकों में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होगी। बीकानेर संभाग के गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू में बारिश होने की संभावना है। वहीं, जोधपुर संभाग के जैसलमेर, फलौदी, एरिया में बारिश हो सकती है। संभावना है कि नागौर, अजमेर, झुंझुनूं, सीकर के एरिया में भी इस सिस्टम का असर देखने को मिल सकता है।

प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
अजमेर	26.5	12.8
बाड़मेर	28	11
बीकानेर	27	10.3
चूरू	25.9	6.4
जयपुर	25.3	11.4
जैसलमेर	26	10.2
जोधपुर	27.5	13.8
कोटा	24.8	11.6
गंगानगर	21	7.7
उदयपुर	24.9	8.9
माउंट आबू	23	-1

जरूरी खबर

बालमुकुंदाचार्य का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

निवाई। नवनिर्वाचित विधायक बालमुकुंदाचार्य का शिवाड़ धाम से लौटने के दौरान गांव झिलाय में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने स्वागत किया। इस दौरान बालमुकुंदाचार्य को जेसीबी का मॉडल भेंट किया गया। भाजपा व बजरंग दल के कार्यकर्ता सहित ग्रामीण गांव के तालाब पर स्थित तेलोलाई बालाजी मंदिर परिसर में एकत्र हुए। विधायक बालमुकुंदाचार्य के मंदिर पर पहुंचते ही जमकर नारेबाजी की और माला व दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर राकेश मिश्रा, अवदेश, नरेश नायक, जीतू नायक, कालू सेन, अर्जुन शर्मा व राजू सिंगला सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

10 वर्षीय बच्चे के हाथ में फटा बम, उंगलियां उखड़ी

कोटा। जिले में एक बच्चे के हाथ में सूतली बम फटने से उसकी दो उंगलियां उखड़कर अलग हो गई। वहीं बच्चे का हाथ भी बुरी तरह से झुलस गया। उसे इलाज के लिए कोटा एमबीएस हॉस्पिटल लाया गया। यह घटना बूंदी जिले के खटकड़ क्षेत्र में भीमगंज गांव में रविवार की है। पिता गजानंद ने बताया कि उसके तीन बच्चे हैं और मनीष (10) सबसे छोटा है। रविवार को मनीष खेत पर गया था। वहां कचरे में उसे सुतली बम मिला। मनीष उस बम को अपने साथ लेकर आ गया। घर के पास ही बाड़े में लाए हुए बम को वह चला रहा था, इसी दौरान सुतली बम उसके हाथ में ही फट गया। परिजन उसे तुरंत खटकड़ हॉस्पिटल लेकर गए।

नकबजनी गैंग का सरगना गिरफ्तार, साथियों की तलाश

निवाई। स्थानीय थाना पुलिस ने नकबजनी गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी हरिपाल सिंह ने बताया कि गैंग ने निवाई कृषि मंडी में चोरी की वारदातों को अंजाम देने के बाद टोंक, केकड़ी व भीलवाड़ा जिलों में भी वारदातें की हैं। सोमवार को आरोपी इमरान (21) निवासी बघेरा रोड, भट्टा कॉलोनी, विनायक नगर केकड़ी को गिरफ्तार किया है। शेष रहे आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। अन्य वारदातों के खुलासे के लिए गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के शुभारंभ पर कहा...

मठ और मंदिर में नहीं, सेवक बनकर हमेशा आपके बीच रहूंगा

बेधड़क | जैसलमेर

पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को आश्वस्त किया कि उन्हें मिलने के लिए मंदिर या मठ के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे खुद हमेशा जनता के बीच आकर उनसे मिलेंगे।

विधायक प्रतापपुरी ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत लाठी व भादरिया में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान उपखंड स्तरीय प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने कहा कि 'आमजन को किसी भी कार्य के लिए मेरे पीछे किसी भी मठ और मंदिर में आने की जरूरत नहीं हैं। मैं आपका सेवक बनकर हमेशा आपके बीच में रहूंगा।' उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दावा है कि वर्ष 2047 तक भारत विकसित देश होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा का यही उद्देश्य है।

हम सभी अच्छा करें और देश को अच्छा बनाएं। संकल्प यात्रा के माध्यम से हर झुग्गी-झोपड़ी तक शासन की सभी योजनाओं का लाभ पहुंचे, सब मिलकर ऐसे प्रयास करें। संकल्प यात्रा में जाने वाली मोदी की गारंटी वाली गाड़ी, जनता को हर योजना का लाभ देगी। इस दौरान विकसित भारत संकल्प की शपथ दिलाई गई।

टू-टियर और थ्री-टियर शहरों का भी विकास

विधायक ने कहा कि सरकार न केवल हर व्यक्ति को भोजन, स्वास्थ्य, आवास आदि की गारंटी दे रही है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान कर रही है. गांवों के विकास के साथ ही शहरों का भी तेज गति से विकास किया जा रहा है। पहले केवल बड़े शहरों का विकास होता था, अब भारत के टू-टियर और थ्री-टियर शहरों का भी विकास हो रहा है। अमृत मिशन और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से इनका भी समग्र विकास किया जा रहा है।

आमजन के कार्य में कोताही नहीं बरतें

विकसित भारत संकल्प यात्रा के शुभारंभ पर पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने उपस्थित अधिकारियों को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आमजन के कार्यों में कोताही नहीं बरतें और राजकीय कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी से पालन करें। गरीब के हृदय में आशीर्वाद की दुकान है। सभी अधिकारी दुआ लेकर गरीब, पीड़ित और शोषित वर्ग का कार्य समय पर करें। इस दौरान ग्रामीणों ने पट्टा, आवास, राशन और नरेगा योजना में प्रशासनिक अधिकारियों पर धांधली के आरोप लगाए। इस पर विधायक ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाकर अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के आदेश दिए। आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी भागीरथ विश्नोई, पूर्व विधायक सांगसिंह भाटी, शैतान सिंह राठौड़, प्रधान भगवत सिंह तंवर, एसडीएम गोपाल परिहार सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिल्पग्राम महोत्सव में लुभाएंगे गुजरात और ओडिशा के लोकनृत्य

राठवा में आदिवासी संस्कृति तो गोटीपुआ में जगन्नाथ की भक्ति

उदयपुर। झीलों की नगरी में 21 दिसंबर से शुरू होने जा रहे अन्तरराष्ट्रीय शिल्पग्राम महोत्सव में देश के कई राज्यों की सांस्कृतिक झांकी देखने को मिलेगी। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से आयोजित महोत्सव में विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं और नृत्यों की खास प्रस्तुतियां कला प्रेमियों को लुभाएंगी। इसके तहत ऐसे अनूठे लोक नृत्य भी यहां देखने को मिलेंगे जिनमें कलाकार गजब की फुर्ती और करतबों से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। इनमें गुजरात का 'राठवा' और ओडिशा का 'गोटीपुआ' नृत्य अपने आप में खास है। ये लोक नृत्य इतनी तेज गति से किए जाते हैं कि देखने वालें की पलकें थम जाती है। दर्शक टकटकी लगाए इनको देखते हैं। पेश है भारत की गौरवशाली संस्कृति के गवाह इन लोक नृत्यों पर एक खास रिपोर्ट।

स्फूर्ति और हैरतभरे करतबों से लबरेज है 'राठवा' नृत्य

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर की ओर से 21 दिसंबर से आयोजित होने जा रहे शिल्पग्राम उत्सव में देश के कोने-कोने की लोक संस्कृति साकार होगी। इसी कड़ी में गुजरात का 'राठवा' डांस दर्शकों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर देगा। दरअसल, यह डांस इतना फास्ट और करतबों से सराबोर है कि दर्शक पलक तक नहीं झपका सकते। डांस ग्रुप के लीडर कंचन भाई राठवा बताते हैं कि आदिवासियों की एक जनजाति है राठवा, जो मूल रूप से गुजरात के उदेपुर जिले में रहते हैं। इस जनजाति का एक खास लोक नृत्य है, जिसे 'राठवा नृत्य' के नाम से जाना जाता है। कभी अपने क्षेत्र विशेष में सिमटा इनका यह डांस कुछ वर्षों से समूचे देश में आयोजित सांस्कृतिक उत्सवों के जरिए विशेष पहचान बना चुका है। एक बार इस लोकनृत्य को देखने वाला इस कला का मुरीद हो जाता है।

विश्व प्रसिद्ध है इनका 'गेर मेला'

राठवा आदिवासी गुजरात के वडोदरा से करीबन सौ किलोमीटर की दूरी पर छोटा उदेपुर जिले के विभिन्न गावों में रहते हैं। ये आदिवासी अपने लोक संगीत और गीतों में पौराणिक कथाएं सुनाने के लिए प्रसिद्ध है। इनकी वेशभूषा और लोक नृत्य मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इनके लिए होली सर्वाधिक उल्लास का त्योहार होता है। इस त्योहार पर भरने वाला इनका 'गेर मेला' विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें होने वाले इनके लोक नृत्य बहुत लोकप्रिय हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है राठवा डांस।

चुनते हैं पसंद का जीवनसाथी

राठवा जनजाति के बुजुर्ग बताते हैं कि 'गेर मेला' होली के दूसरे दिन यानी धुलंडी से पांच दिन तक पांच आदिवासी गांवों में भरता है। इसी मेले में नर्तक-नर्तकियों का ग्रुप पांच दिन तक अलग-अलग गांव में जाकर 'राठवा' नृत्य करता है। इसी मेले की धूम के दौरान युवक-युवतियां अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनते हैं।

दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं दर्शक

इस लोक नृत्य में आदिवासी नर्तक-नर्तकियों का समूह लय और ताल में मनभावन नृत्य पेश करते हुए खुशी का प्रदर्शन करते हैं। नृत्य के दौरान इनके करतब देख दर्शकों की सांसें थम जाती हैं। युवतियां जब युवकों के कंधे पर खड़ी होकर झूमती हैं और युवक भी झूमते हुए एक गोले में घूमते हैं, तो दर्शक दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर हो जाते हैं। इस नृत्य के लिए बड़े 'राम ढोल' के साथ ही छोटा ढोल, शहनाई, कांसे की थाली और ततोड़ी का इस्तेमाल इतने शानदार ढंग से करते हैं कि लोग झूमने लगते हैं।

भगवान जगन्नाथ को समर्पित है ओडिशा का 'गोटीपुआ' नृत्य

"शिल्पग्राम उत्सव" में देशभर से आ रहे विभिन्न लोकनृत्यों में ओडिशा का गोटीपुआ डांस अपनी धमक और भक्ति को लेकर अहम स्थान रखता है। इसके नर्तक खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें भगवान की सेवा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। पुरी में विराजे भगवान जगन्नाथ की सेवा का अवसर तमाम भक्त पाना चाहते हैं, लेकिन मिलता विरलों को ही है। ऐसे ही विरलों में शुमार हैं गोटीपुआ के नर्तक। दरअसल, गोटीपुआ लोक नृत्य पूर्ण रूप से भगवान जगन्नाथ को समर्पित है। भगवान का मनोरंजन कर उन्हें रिझाने के लिए यह नृत्य किया जाता है। डांस ग्रुप के लीडर कृष्ण बताते हैं कि यही डांस ओडिशी क्लासिकल डांस का बेस भी है। वे बताते हैं, कभी देवदासियां, उनके बाद अन्य स्त्रियां भगवान जगन्नाथ की सेवा में रहती थीं। 1509 ईस्वी से भगवान की सेवा में लड़के लगाए गए। तब यह भी निर्णय लिया गया कि लड़कों को भगवान के वे सभी कार्य करने होंगे, जो पूर्व में स्त्रियां करती थीं, इसमें नृत्य भी शामिल था। वहीं मंदिर की सफाई इत्यादि के कार्य होते थे। ऐसे में लड़कों को स्त्री के रूप में ही मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। तभी से युवक नारी भेष में भगवान जगन्नाथ की सेवा में रहते हैं। इनका श्रृंगार और अदाकारी ऐसी होती है कि ये वाकई स्त्री ही लगते हैं।

ऐसे पड़ा इस डांस फॉर्म का नाम

कालान्तर में गोटीपुआ डांस में एक्रोबेट भी शामिल हुआ, फिर भी इन लोक नर्तकों ने निरंतर अभ्यास और कुशल प्रशिक्षण के कारण अपनी अदाकारी में लावण्यता बरकरार रखी। यद्यपि आज नृत्य के दौरान इनके कई करतब देख दर्शकों की सांस थम जाती है। गोटीपुआ नर्तक ग्रुप का नेतृत्व कर रहे कृष्ण कुमार बताते हैं कि 'गोटी' का मतलब होता है 'एक' तथा 'पुआ' का अर्थ है लड़का, यानी 'गोटीपुआ' का मतलब हुआ एक लड़का। इस डांस को करने वाले हर नर्तक को 'गोटीपुआ' कहा जाता है। इसी कारण से इस लोक नृत्य का नाम गोटीपुआ पड़ा। कृष्ण बताते हैं कि दरअसल, गोटीपुआ भगवान जगन्नाथ, शिव सहित सभी भगवान की सेवा कर सकते हैं। इनके लिए किसी भी मंदिर में प्रवेश निषिद्ध नहीं होता।

यह होती है नर्तक की वेशभूषा

गोटीपुआ के लोक नर्तक साड़ी, ब्लाउज, उत्तरी (कंधे से कमर तक का बेल्ट), पंची (कमर पट्टा), कमर के नीचे कूचो और उसके नीचे धोती जैसा पायजामा पहनते हैं। इनके वस्त्र दुल्हन के वेश की तरह चमचमाते हैं। साथ ही, गहनों में ये अपनी बाहों में बाहुटी, कलाई में बाजू (विशेष तरह का कंगन), गले में माली (नाभि तक लंबा हार) और पैरों में घूंघरू पहनते हैं। इनके पैर के पंजों में आलता लगा होता है। यानी पूर्ण स्त्री रूप।

भगवान जगन्नाथ से जुड़ा है इतिहास

कृष्ण के अनुसार प्राचीनकाल में भगवान जगन्नाथ के प्रधान सेवक गजपति महाराज पुरी और आस-पास की सात साही (सात गांव) में अखरासाल (शस्त्रागार) में सैनिकों को प्रशिक्षित करते थे। तब गोटीपुआ को भी शत्रु को पराजित करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता था। प्रशिक्षित गोटीपुआ अपने स्त्री रूप, अदाओं तथा नृत्य से शत्रुओं को मोहित करके मार देते थे।

एसीबी ने पंचायत भवन में ही दबोचा

पटवारी 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बेधड़क | अजमेर

जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने नसीराबाद के सनोद प्रथम गांव के पटवारी को बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रवि कुमार लाखीवाल ने परिवादी से म्यूटेशन खोलने की एवज में यह घूस मांगी थी। टीम ने उसे पंचायत भवन में ही रिश्वत लेते दबोच लिया।

ब्यूरो टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। एसीबी के एडीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि सनोद प्रथम पटवारी रवि कुमार लाखीवाल जमीन का म्यूटेशन खोलने के लिए बीस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। इस पर डीआईजी रणधीरसिंह के सुपरवीजन में एएसपी अतुल साहू के निर्देशन में ब्यूरो टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया। शिकायत सही पाए जाने पर परिवादी को बीस हजार रुपए देकर भेजा। ग्राम पंचायत भवन में आरोपी पटवारी दोलतपुरा, जयपुर निवासी रवि कुमार लाखीवाल ने बीस हजार रुपए लिए और उसके बाद पुलिस निरीक्षक दीन दयाल वैष्णव व टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर रिश्वत की रकम बरामद कर ली। आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके आवास व अन्य ठिकानों पर भी सर्च किया जा रहा है।

अस्पताल के गार्ड की हत्या का खुलासा

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने भाई सहित किया सरेंडर

बेधड़क | बांसवाड़ा

जिले में महात्मा गांधी चिकित्सालय के गार्ड की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या के आरोपी श्रीगोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और उसके भाई ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है।

दोनों के 5 साथी भी हत्याकांड में शामिल थे, जिनकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों और मृतक का परिवार आपस में रिश्तेदार हैं। पिछले काफी समय से दोनों परिवार के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आए दिन विवाद से तंग आकर आरोपियों ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गार्ड की हत्या कर दी। थानाधिकारी दिलीपसिंह चारण ने बताया कि गत 9 दिसंबर को भीलवन गांव निवासी लक्ष्मण (60) पुत्र कालू मकवाना का शव बडगांव स्कूल पीछे मिला था। उसकी बाइक व हेलमेट शव से करीब सौ मीटर दूर पड़े थे। मौके पर एकत्र ग्रामीणों ने उसकी शिनाख्त की। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने पूछताछ में बताया कि लक्ष्मण रोज की तरह महात्मा गांधी चिकित्सालय में निजी गार्ड की ड्यूटी पर गया, लेकिन घर नहीं लौटा। उसका शव 9 दिसंबर को बड़गांव मुख्य मार्ग पर विद्यालय के पास पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोट के निशान थे, वहीं हाथ में भी फ्रेक्चर प्रतीत हुआ। मृतक के बेटे रमेश ने देवेन्द्र मकवाना (23) और उसके भाई चिंटू मकवाना (34) पर हत्या का शक भी जताया था। घटना के 8 दिन दोनों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

रफ्तार ने छीनी पांच लोगों की जिंदगी, चार गंभीर घायल

धौलपुर में ट्रक ने पांच को रौंदा, चूरू में ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो कार

बेधड़क | धौलपुर

प्रदेश के दो जिलों में रफ्तार का कहर बरपा दिखाई दिया। धौलपुर और चूरू जिलों में हुए हादसों में पांच लोगों की जान चली गई। धौलपुर के राजाखेड़ा कस्बे में सोमवार को एक ट्रक चालक ने तेज रफ्तार में अलग-अलग जगह पांच लोगों को रौंद दिया। दुर्घटना में सड़क किनारे खड़ी ननद-भाभी की मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरी एवं तीसरी दुर्घटना में बुग्गी चालक एवं बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से कस्बे में हड़कंप मच गया। ट्रक चालक लोगों को रौंदता हुआ धौलपुर रोड की तरफ फरार हो गया, लेकिन दिहोली पुलिस थाने पर पुलिस ने घेराबंदी कर रोक लिया। गुस्साए लोगों ने राजाखेड़ा टाउन चौकी के पास जाम लगा दिया। पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर हंगामा भी किया।

जानकारी के मुताबिक, एक ट्रक पिनाहट रोड की तरफ से राजाखेड़ा कस्बे की तरफ आ रहा था। ट्रक चालक काफी तेज रफ्तार में चला रहा था। पुराने कोर्ट के पास ट्रक चालक ने पहले एक बुग्गी को टक्कर मार दी। इसके बाद भी उसका कहर नहीं थमा और कस्बे के मुख्य बाजार में सड़क किनारे खड़ी भाभी-ननद को चपेट में ले लिया। दुर्घटना में 45 वर्षीय पुष्पा पत्नी लक्ष्मी नारायण निवासी पिंडवान एवं 40 वर्षीय कांटा पत्नी बायरल सिंह निवासी बाबरपुर की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद तीसरी टक्कर बाइक सवार चाचा भतीजे को मार दी। बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक चालक के तांडव को देख कस्बे में हड़कंप मच गया। कस्बेवासियों की मार्केट में चीख पुकार निकल गई।

गुस्साए लोगों ने लगाया सड़क पर जाम

घटना की सूचना पाकर स्थानीय राजाखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। उधर, ट्रक चालक दुर्घटना को अंजाम देकर धौलपुर की तरफ फरार हो गया। घटना को देख स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने टाउन चौकी के पास जाम लगा दिया। मामले को बढ़ता देख भारी तादात में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। उधर, ट्रक चालक को दिहोली थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर पकड़ लिया। दोनों महिलाओं के शब कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए हैं। उधर, तीनों घायल की नाजुक हालत होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। ग्रामीण अभी भी जाम लगाकर अड़े हुए हैं। पुलिस और प्रशासन द्वारा समझाइश की जा रही है।

हादसे में तीन युवकों की मौत, दो घायल

बेधड़क | चूरू

जिले में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो लोग गंभीर घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां एक गंभीर घायल को इलाज के लिए बीकानेर पीबीएम हॉस्पिटल में रेफर कर

दिया गया। वहीं तीनों मृतकों का डीबी अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए। हादसा सदर थाना क्षेत्र के एनएच 52 पर रविवार देर रात हुआ। सदर थानाधिकारी करतार सिंह ने बताया कि हादसे के समय स्कार्पियो में पांच लोग सवार थे। इनमें हरियाणा के कैथल निवासी सोनू (35), सिरसा निवासी श्याम बाबू (19), साहिल (18) की मौत हो गई। मृतक सोनू ड्राइव कर रहा था। वहीं गंभीर घायल दो युवकों में हरियाणा के सिरसा निवासी कैलाश (30) का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। दूसरे घायल को डीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल हुए हरियाणा निवासी प्रदीप ने बताया कि उसे कैथल निवासी सोनू जो अपने साथ खाटू श्यामजी के दर्शन कराने के लिए कहकर लाया था। प्रदीप ने बताया कि वह स्कार्पियो में सवार अन्य लोगों को वह नहीं पहचानता है।

क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई और साइबर सिक्योरिटी जैसे पाठ्यक्रमों की मांग में बढ़ोतरी

IT कंपनियों में भर्ती की कमी से कम हुआ बीटेक में नामांकन

बेधड़क | जयपुर

पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट देखी गई है। बीटेक में नामांकन 2016-17 में लगभग 40 लाख से घटकर 2020-21 में 36 लाख हो गया। इसके बाद भी नामांकन नीचे गिरा है। टीमलीज एडटेक की सह-संस्थापक और अध्यक्ष नीति शर्मा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों में लगातार गिरावट आई है और आईटी कंपनियों द्वारा भर्ती में मंदी के बाद यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी। इस गिरावट का मुख्य कारण मुख्य धाराओं में नौकरी के अवसर कम हो जाना है। शर्मा का कहना है कि आईटी कंपनियों द्वारा कुल फ्रेशर हायरिंग वित्त वर्ष 2012 में कुल पासआउट के 26 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2013 और वित्त वर्ष 24 में क्रमशः 15 प्रतिशत और 10 प्रतिशत हो गई है। हालांकि क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और साइबर सुरक्षा जैसे पाठ्यक्रमों की अभी भी विशिष्ट मांग देखी जा रही है। वर्तमान कर्मचारियों, नए और अनुभवी उम्मीदवारों ने आईटी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बने रहने के लिए इन विशिष्ट डोमेन में कौशल बढ़ाने की आवश्यकता को पहचाना है। उन्होंने आशंका जताई है कि इस वित्तीय वर्ष में कुल आईटी सेवाओं की संख्या में 4 प्रतिशत की गिरावट होगी और कैंपस प्लेसमेंट परिदृश्य के आधार पर 2 लाख लोगों के सामने नौकरी संकट खड़ा हो सकता है।

अगले साल नई नियुक्तियों में हो सकती हैं 5% गिरावट

2022-23 के दौरान, पिछले वर्ष की तुलना में नई नियुक्तियों में 9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वित्त वर्ष 2024 में भी इनमें 5 प्रतिशत की कमी हो सकती है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में, कुल मिलाकर फ्रेशर हायरिंग में लगभग 40-50 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है और इससे वित्त वर्ष 2023 व 2024 दोनों के स्नातक प्रभावित होंगे। शर्मा ने बताया कि ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर (जीसीसी) ने भी भारत में कुल आईटी नियुक्ति में 50 प्रतिशत की कमी आने की आशंका जताई है।

इस साल आई मिनी रिकवरी

जून 2023 के बाद से आईटी क्षेत्र में थोड़ी तेजी देखी गई है। शर्मा का कहना है किछंटनी के माध्यम से लागत में कमी के उपायों, यूके और यूरोप के बाजारों में मुद्रास्फीति में कमी और बेहतर वैश्विक आर्थिक स्थिरता के संयोजन ने वर्ष की पहली छमाही की तुलना में इस मिनी रिकवरी चरण को जन्म दिया है। हालांकि, यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई बदलावों के कारण महामारी से पहले के युग की तरह पूर्ण पैमाने पर सुधार होगा या नहीं। हालांकि, फ्रेशर्स जो तकनीकी और सॉफ्ट स्किल सहित विभिन्न स्किल्स रखते हैं उनकी हमेशा मांग रहेगी।

Yuva स्टोरीज

लिपि विशेषज्ञ डॉ. अंजना शर्मा हुईं सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं वैदिक हेरिटेज एवं पांडुलिपि शोध संस्थान की ओर से चल रही लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला में जयपुर की लिपि विशेषज्ञ व देवस्थान विभाग की प्रबंधक डॉ. अंजना शर्मा को मुख्य लिपि प्रशिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। डॉ. अंजना शर्मा गत कई वर्षों से लिपि के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से लिपियों का ज्ञान वर्तमान पीढ़ी तक निरंतर पहुंचा रही हैं। उनका मानना है कि अगर नई पीढ़ी इन प्राचीन लिपियों के ज्ञान को अपने जीवन में उतार लेती है और इनको आत्मसात कर लेती है तो हम अपनी संस्कृति को सुरक्षित रखने में कामयाब होंगे। डॉ. अंजना शर्मा कई प्राचीन लिपियों की विशेषज्ञ हैं जिनमें ब्राह्मी, शारदा, नेवारी, नंदिनागरी, प्राचीन देवनागरी आदि प्रमुख हैं। डॉ. अंजना शर्मा लिपियों के साथ-साथ पांडुलिपियों के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय हैं और पूर्व में कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं।

देवदत्त पटनायक करेंगे कार्यशाला का उद्घाटन

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में 'मैपिंग द मार्वल्स: मिथोपिया, मल्टीवर्स एण्ड फैंटसी इन लिटरेचर, फिल्म्स एंड मीडिया' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की शुरुआत मंगलवार को होगी। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रसिद्ध मायथोलॉजिस्ट देवदत्त पटनायक मुख्य वक्ता होंगे। कॉन्फ्रेंस का विषय स्वयं में अंतर-अनुशासनात्मक पद्धति को समेटे होने के कारण शोध के क्षेत्र में नवाचार व विचार विमर्श के नवीन आयामों को प्रस्तुत करेगा। कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के लगभग तीन सौ रिसर्चर, लेखक, शिक्षाविद् व स्टूडेंट रिसर्च पेपर प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता अग्रवाल ने बताया कि देश विदेश से शिक्षाविद एवं विषय विषेशज्ञ मिथ, मल्टीवर्स एवं फंतासी विषय में अपने विचार व शोध के नवाचारों पर उद्बोधन देंगे।

स्पेक्ट्रोस्कॉपी के बेसिक्स की मिली जानकारी

बेधड़क | जयपुर

कनोडिया पीजी महिला महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की ओर से सोमवार को 'बेसिक्स ऑफ स्पेक्ट्रोस्कॉपी' विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को रसायन विज्ञान के क्षेत्र मे उपयोग की जाने वाली नई तकनीकों की जानकारी देना था। सत्र के मुख्य वक्ता राजस्थान विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. विजय बेनीवाल थे। डॉ. बेनीवाल ने छात्राओं को स्पेक्ट्रोस्कॉपी के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी व शोध में इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से समझाया। सत्र में 73 छात्राओं व शिक्षिकाओं ने भाग लिया। उपप्राचार्य डा. रंजना अग्रवाल ने सत्र की सराहना करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

लिटिल स्टेप्स स्कूल का एनुअल स्पोर्ट्स-डे

बच्चों का बड़ा संदेश: जीतने से ज्यादा जरूरी है खेलना

बेधड़क | जयपुर

मानसरोवर के राधा निकुंज स्थित लिटिल स्टेप्स स्कूल में सोमवार को वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल प्रिंसिपल वर्षा जायसवाल व अन्य सदस्यों ने प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर दौड़ प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रिंसिपल वर्षा जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम के द्वारा बच्चों को एक मंच प्रदान किया गया, जहां उनकी खेल प्रतिभा को उभारा जा सके। बच्चों ने खेल के माध्यम से जीवन में 'जीतने ज्यादा जरूरी है खेल की भावना' का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स-डे के दौरान बच्चों ने सूर्य नमस्कार कर योग करने के लिए प्रेरित किया। वहीं बैग रेस, फ्रॉग जंप, बॉल रेस व जुम्बा डांस प्रस्तुत किया। छात्रों ने विभिन्न प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। इन मुकाबलों में विजेता रहने वाले विद्यार्थियों को मेडल व सर्टिफिकेट दिए गए।

बच्चों की प्रस्तुतियों से छलके प्रतिभा के रंग

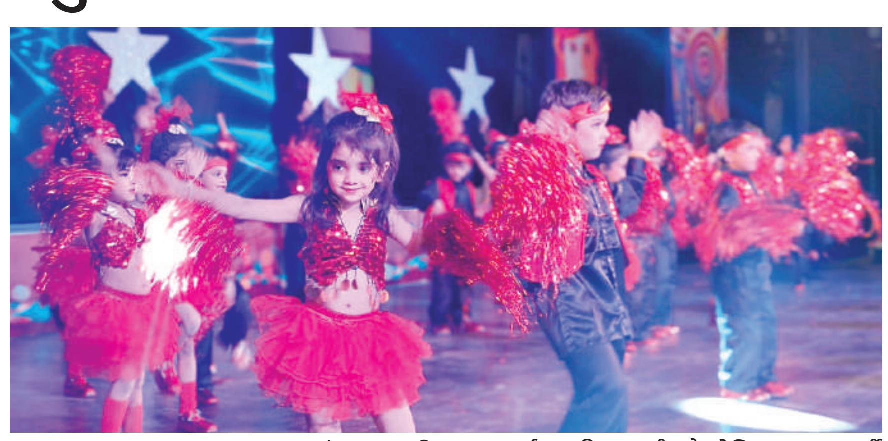

कुन्दन पुरा स्थित गोल्डन एरा एकेडमी का में बच्चों की शानदार प्रतिभा के रंग बिखरे। मौका था स्कूल के वार्षिक उत्सव का। बिड़ला ऑडिटोरियम में मनाए गए स्कूल के वार्षिकोत्सव में स्कूल के बच्चों एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। एकेडमी की प्रधानाध्यापिका पवनदीप कंग ने बताया कि तीन घंटे से अिधक चले वार्षिकोत्सव समारोह में एकेडमी की कक्षा प्री प्राईमरी से लेकर कक्षा चार तक के बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत शिव वन्दना से की गई। इसके बाद वैलकम डांस, डिस्को डांस, कैंडी मैन, गोल्डन टिकट डांस, पंजाबी डांस, सुपर हीरो डांस आदि परफोर्मेंसेज से बच्चों ने हॉल में मौजूद अभिभावकों व स्टाफ मेंबर्स को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम की मुख्य थीम फैनटेसिया- 2023 चार्ली चॉकलेट फेक्ट्री थी। कार्यक्रम के अन्त मे प्रधानाध्यापिका पवनदीप कंग एवं एकेडमी निदेशक सुखवंत सिंह ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई व धन्यवाद ज्ञापन किया।

CLAT टॉप रैंकर्स ने साझा की रणनीति

बेधड़क | जयपुर

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज कन्सॉर्टियम की ओर से आयोजित CLET-2024 के टॉप रैंकर्स ने परीक्षा को लेकर अपनी रणनीति भविष्य में परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स के साथ साझा की।

टॉप रेंकर्स के लीगलएज जयपुर के इन विद्यार्थियों ने CLAT के पाठ्यक्रम और इसमें सफलता के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर बात की। लीगलएज के निदेशक सुमित ओचानी ने परीक्षा में श्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि इस परीक्षा में शहर के अरिजीत बंसल ने 118 अंकों में से 103.75 अंक हासिल कर देशभर में 7वां स्थान हासिल किया हैं। शहर के दक्ष जैन ने 39वां, नियति ने 57वां, आर्यश्री मेथी ने 81वां और संभव जैन ने 84वां स्थान प्राप्त किया।

इन जैसे 35 विद्यार्थी इस परीक्षा में टॉप करने वाले टॉप 100 छात्रों में शामिल हैं। गौरतलब है कि यह परीक्षा 3 दिसंबर को देश भर के 26 एनएलयू में प्रवेश के लिए आयोजित की गई थी। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों को देते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास पिछले सालों के पेपर्स का परीक्षण, समय प्रबंधन तथा मॉक टेस्ट्स इस परीक्षा को क्लियर करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

स्टूडेंट्स ने जाना हाइजीन का महत्व

बेधड़क | जयपुर

सवाई मानसिंह स्कूल के स्टूडेंट्स ने सोमवार को स्कूल लाइफ और दैनिक जीवन में हाइजीन के महत्व को जाना। स्कूल में छठी कक्षा के स्टूडेंट्स के लिए सोमवार को टीन एज हाइजीन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रॉक्टर एंड गैंबल मनीषा शर्मा और पारुल जैन द्वारा संचालित प्रोग्राम में स्टूडेंट्स को दैनिक जीवन में किस प्रकार स्वच्छ रहते हुए संक्रमण से बचा जा सकता है, इसकी जानकारी दी गयी। इसके अंतर्गत उन्हें किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों की प्रक्रियाओं के विषय में परिचित कराया गया। इसके साथ ही वीडियो और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से शारीरिक और मानसिक परिवर्तनों को दिखाया गया। यह सेशन स्टूडेंट्स के लिए ज्ञानवर्धक और संवादात्मक सत्र था जिसमें स्टूडेंट्स की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

डिस्कशन | एसकेआईटी में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ACTET-2023

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की नई तकनीक पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एवं ग्रामोत्थान के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'एडवांस कंप्यूटिंग टेक्निक्स इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी- ACTET-2023' की शुरुआत सोमवार को हुई। इस ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल, यूनिवर्सिटी ऑफ शारजाह प्रो. रमेश सी. बंसल और क्वींस यूनिवर्सिटी लंदन के प्रो. रिची नायक व एसकेआईटी के डायरेक्टर एकेडमिक्स प्रो. एसएल सुराणा ने किया। एसकेआईटी प्रिंसीपल प्रो.रमेश पचार ने कॉलेज की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. सरफराज नवाज ने डिपार्टमेंट की उपलब्धियां बताईं। समन्वयक डॉ. पूजा जैन ने कॉन्फ्रेंस के दौरान होने वाले विभिन्न लेक्चर्स की जानकारी दी।

31 शोध पत्र किए जाएंगे प्रेजेंट

कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से संबंधित एडवांस्ड कंप्यूटिंग तकनीक तथा नए सॉफ्टवेयर संबंधित उपयोग पर जागरूकता बढ़ाना है। कॉन्फ्रेंस का लक्ष्य श्रोताओं को उन्नत वैज्ञानिक कंप्यूटिंग के सिद्धांतों से अवगत कराना, विशिष्ट तंत्रों और एल्गोरिदम की खोज करना है I ACTET-2023 के लिए देशभर से 126 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, जो वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के उत्साह और समर्पण का प्रमाण है। इनमें से 31 पत्रों को मौखिक प्रस्तुति के लिए चुना गया है, और 7 पत्रों को स्प्रिंजर सीसीआईएस संपादकीय बोर्ड द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस के दौरान जीएसएफसी यूनिवर्सिटी के प्रो. जीआर सिंह, आईआईटी जोधपुर के प्रो. सौमित्र संध्या, दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. रिजवान और डॉ. जगदीश कुमार बंसल वक्तव्य देंगे।

संगोष्ठी में जुटे शिक्षाविद

जयपुर। इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय संगोष्ठी की शुरुआत चिमनपुरा कॉलेज में सोमवार को हुई। इंस्पिरा के संस्थापक व अध्यक्ष प्रो.एसएस मोदी ने बताया कि सेमिनार में बहुविषय शोध तथा अनेक क्षेत्रों में आ रहे परिवर्तनों पर चर्चा की गई। सेमिनार में देश विदेश के 400 से अधिक शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने भाग लिया और अपने शोध पत्र पढ़े। प्रो. एनएम शर्मा ने तकनीकी परिवर्तनों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि विधायक कुलदीप धनकड़ व विशिष्ट अतिथि प्रो. विजय वीर सिंह रहे।

सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है...

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

19 दिसम्बर पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह और अशफ़ाक़उल्लाह ख़ां जैसे वतनपरस्त इंक़लाबियों का शहादत दिवस है। मुल्क की आज़ादी के लिए जिन्होंने कम उम्र में ही अपनी जान क़ुर्बान कर दी। इन तीनों क्रांतिकारियों का क्रांतिकारी जीवन का आग़ाज़ भले ही अलग-अलग हुआ हो, मगर अपने मादरे वतन पर कुर्बान एक साथ हुए। जब ये फांसी पर चढ़े, तो बिस्मिल की उम्र महज़ 30 साल, तो अशफ़ाकउल्लाह ख़ां सत्ताईस साल के थे। देश में चल रहे आज़ादी के आंदोलन से बिस्मिल और अशफ़ाक़उल्लाह ख़ां शुरू से ही मुतास्सिर थे। दोनों के दिल में अपने देश के लिए कुछ करने का जज़्बा था। रामप्रसाद बिस्मिल पर आर्य समाजी भाई परमानंद, जो कि ग़दर पार्टी से जुड़े हुए थे, का काफ़ी असर था। अंग्रेज़ी हुकूमत ने लाहौर कांड में जब परमानंद भाई को फांसी की सज़ा सुनाई, तो बिस्मिल बद-हवास हो गए। उन्होंने गुस्से में ये क़ौल ली, ''वे इस शहादत का बदला ज़रूर लेंगे। चाहे इसके लिए उन्हें अपनी जान क्यों न कुर्बान करना पड़े।'' आगे चलकर रामप्रसाद बिस्मिल ने मशहूर क्रांतिकारी पंडित गेंदालाल दीक्षित के संगठन 'मातृवेदी' से राब्ता क़ायम कर लिया। इस संगठन में पैदल सैनिकों के अलावा घुड़सवारों व हथियारों से लैस सैकड़ों क्रांतिकारियों का जत्था था। 'मातृवेदी' ने अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ जो सशस्त्र संघर्ष चलाया, पंडित गेंदालाल दीक्षित के साथ बिस्मिल ने उसकी लीडरशिप की। इन दोनों ने मिलकर उत्तर प्रदेश सूबे के मैनपुरी, इटावा, आगरा व शाहजहांपुर आदि जिलों में बड़े ही प्लानिंग से एक मुहिम चलाई और नौजवानों को इस संगठन से जोड़ा। रामप्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाक़उल्ला ख़ां दोनों का शुरुआत में कांग्रेस से भी वास्ता रहा। उन्होंने कलकत्ता और अहमदाबाद में हुए कांग्रेस अधिवेशनों में भी हिस्सा लिया। अहमदाबाद अधिवेशन में जब मौलाना हसरत मोहानी ने कांग्रेस

पंडित रामप्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाक़उल्ला ख़ां का शहादत दिवस आज

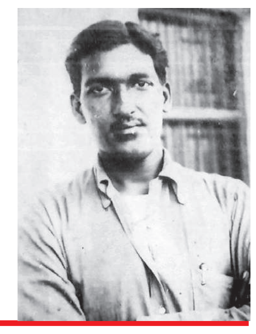

की साधारण सभा में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव रखा, तो रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़उल्ला ख़ां और दीगर इंक़लाबी ख़यालात के नौजवानों ने इसकी हिमायत की थी। लेकिन महात्मा गांधी ने इस प्रस्ताव को मानने से इंकार कर दिया।

बहरहाल, चौरीचौरा कांड के बाद, महात्मा गांधी द्वारा अचानक असहयोग आंदोलन वापस लेने के फ़ैसले से क्रांतिकारी विचारों के नौजवानों को काफ़ी निराशा हुई। उन्होंने ज़ल्द ही एक जुदा राह इख़्तियार कर ली। तमाम इंक़लाबी ख़यालात के नौजवान जिसमें भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राजगुरु, भगवतीचरण बोहरा, रोशन सिंह, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, यशपाल, मन्मथनाथ गुप्त और दुर्गा भाभी आदि के साथ रामप्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाकउल्ला ख़ां शामिल थे, इंक़लाब की रहगुज़र पर चल निकले। आगे चलकर अशफ़ाक़उल्ला ख़ां मुल्क की इंक़लाबी तहरीक के एक जांबाज़ इंक़लाबी साबित हुए। यहां तक कि 'काकोरी ट्रेन एक्शन' मामले में अदालत के अंदर जब सुनवाई शुरू हुई, तो मजिस्ट्रेट ने अशफ़ाक़उल्ला ख़ां को रामप्रसाद बिस्मिल का लेफ़्टिनेंट क़रार दिया। साल 1924 में क्रांतिकारी पं. रामप्रसाद बिस्मिल ने अपने कुछ साथियों के साथ 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' की स्थापना की। सचिन्द्र नाथ सान्याल संगठन के अहम कर्ता-धर्ता थे, तो वहीं रामप्रसाद बिस्मिल को सैनिक शाखा का प्रभारी बनाया गया। इस संगठन के माध्यम से क्रांतिकारियों ने पूरे देश में आज़ादी के आंदोलन को एक नई रफ़्तार दी। संगठन की तमाम बैठकों में सिर्फ़ एक ही नुक्ते, देश की आज़ादी पर बात होती। यही नहीं अंग्रेज़ हुकूमत से किस तरह से निपटा जाए, क्रांतिकारी इसके लिए नई-नई योजनाएं बनाते। क्रांति के लिए हथियारों की ज़रूरत थी और ये हथियार बिना पैसों के हासिल नहीं हो सकते थे। रामप्रसाद बिस्मिल और उनके क्रांतिकारी दल ने एक और बड़ी योजना बनाई। यह योजना थी, सरकारी ख़ज़ाने को लूटना। 9 अगस्त, 1925 को सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली ट्रेन को काकोरी स्टेशन पर लूट लिया गया। इस सनसनीख़ेज़ वाक़ए को रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहिड़ी, चन्द्रशेखर आज़ाद, मन्मथनाथ गुप्त, शचीन्द्रनाथ बख़्शी, ठाकुर रोशन सिंह, केशव चक्रवर्ती और अशफ़ाक़उल्लाह ख़ां समेत दस क्रांतिकारियों ने अंजाम दिया। क्रांतिकारी, ट्रेन में रखे ख़ज़ाने को लूटकर रफ़ू—चक्कर हो गए। क्रांतिकारियों का यह वाक़ई दु:साहसिक कारनामा था। इस वाक़िआत से पूरे देश में हंगामा हो गया। अंग्रेज़ी हुकूमत की नींद उड़ गई। काकोरी ट्रेन एक्शन के बाद बौखलाए अंग्रेज़ों ने हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के चालीस क्रांतिकारियों पर डकैती और हत्या का मामला दर्ज़ किया। काकोरी कांड में शामिल सभी क्रांतिकारी एक के बाद एक गिरफ़्तार कर लिए गए। जेल में रामप्रसाद बिस्मिल और उनके क्रांतिकारी साथियों को पुलिस द्वारा कई प्रलोभन दिए गए कि वे सरकार से माफ़ी मांग लें, उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। मगर वे इन प्रलोभनों में नहीं आए। काकोरी ट्रेन डकैती मामला, अदालत में तक़रीबन डेढ़ साल चला। इस दरमियान अंग्रेज़ सरकार की ओर से तीन सौ गवाह पेश किए गए, लेकिन वे यह साबित नहीं कर पाए कि इस वारदात को क्रांतिकारियों ने अंजाम दिया है। बहरहाल, अदालत की यह कार्यवाही तो महज़ एक दिखावा भर थी। इस मामले में फ़ैसला पहले ही लिख दिया गया था और आख़िरकार 19 दिसंबर, 1927 को इन क्रांतिकारियों को फांसी दे दी गई।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

तोमर के जरिए मप्र में भाजपा ने क्षत्रिय कार्ड भी खेला

जातीय समीकरण साधने में सिमटी राजनीति

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

"दरअसल केंद्रीय नेतृत्व उत्तरप्रदेश और बिहार में जातीय लाभ के साथ ऐसा चेहरा देना चाहता था, जो ओबीसी आरक्षण की काट तो लगे ही कांग्रेस और विपक्षी दलों के जातीय जनगणना के मुद्दे को भी भोंथरा साबित कर दे। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी खुद के लिए पिछड़ी जाति का कार्ड अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से खेलने की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहे।"

मध्यप्रदेश में भाजपा के चुनाव जीतने के बाद मंत्री परिषद् की जिस तरह से गोटियां बिठाई गईं, उससे साफ है, भाजपा ने मध्यप्रदेश के साथ-साथ राजस्थान उत्तर प्रदेश और बिहार को भी जातीय महत्व का संदेश दिया है। सबसे पहला संदेश राजस्थान की कद्दावर भाजपा नेत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को दिया कि जब 163 सीटों की जीत दिलाने वाले शिवराज सिंह चैहान को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं, तो आपको भी दिखाया जा सकता है। विधायक दल की बैठक में मोहन यादव को बिना किसी विरोध के नेता चुन लिया गया। स्वयं शिवराज ने उनके नाम का प्रस्ताव किया और जो सांसदी छोड़ मुख्यमंत्री बनने की कतार में थे, उन सबको समर्थन की विनम्र वाणी उच्चारित करनी पड़ी। राजस्थान में भी वैसा ही देखने को मिला जैसी की उम्मीद जताई जा रही थी।

यादव के मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के साथ ही यह संदेश उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव और बिहार के तेजस्वी और तेजप्रताप यादव को चला गया कि यह यादवी विस्तार का शंखनाद भविष्य में इन दोनों प्रांतों में गूंजने वाला है। गोया, अखिलेश और तेजस्वी के यादवी वर्चस्व को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में उठाना पड़ सकता है? गोया, मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद से विभूषित करने वाला यह नाम यूं ही घोषित नहीं किया गया है। भाजपा के पास मौजूदा वक्त में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और बिहार में कोई प्रमुख यादव नेता नहीं है, गोया, इस नाम के सहारे इन राज्यों में जो बंशी बजेगी, उसकी धुन से कांग्रेस, सपा, राजद और जनता दल में जो यादव बेचैन हैं, वे भाजपा की ओर लालायित होंगे।

हालांकि मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाना अचरज में जरूर डालता है, लेकिन करीब एक साल पहले जब शिवराज सत्ता विरोधी रुझान से जूझ रहे थे, तब भी मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में मोहन यादव का नाम उछला था, परंतु केंद्रीय नेतृत्व ने बदला नहीं, क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम झेलने पड़ सकते थे। भाजपा यदि प्रदेश में हारती तो कहा जाता यह हार मुख्यमंत्री बदले

जाने के कारण हुई। यह आरोप मोहन को तो झेलना ही पड़ता, केंद्रीय नेतृत्व भी इस दोष के दायरे में आता। बहरहाल मोदी और शाह की जोड़ी ने मध्यप्रदेश में स्थिति सुधारने के नजरिए से बार-बार प्रदेश की यात्राएं करके कार्यकर्ताओं को तो सक्रिय किया ही, शिवराज को भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की खुली छूट दे दी थी। नतीजतन शिवराज ने प्रदेश को कर्ज में डुबोने की परवाह किए बिना, कई स्रोतों से कर्ज लिया और उसे बांटकर सत्ता हासिल करने की राह आसान कर ली। इसमें सबसे कारगर योजना लाडली बहना रही। इन्हीं बहनों ने भाजपा की नैया पार लगा दी। बावजूद शिवराज को ओबीसी होने के बावजूद मुख्यमंत्री इसलिए नहीं बनाया, क्योंकि जीत का श्रेय अकेले शिवराज को न मिल जाए? गोया, छत्तीसगढ़ में आदिवासी चेहरे के रूप में विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बनाने के बाद, एकदम नए चेहरे मोहन यादव को प्रदेश की बागडोर सौंप दी।

चूंकि छत्तीसगढ़ में आदिवासी विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बना दिया था, इसलिए मध्यप्रदेश में फिर से ओबीसी कार्ड खेलना जरूरी था। शिवराज की जाति किरार-धाकड़ के बाद प्रदेश में दूसरा बड़ा समुदाय लोधी है। इस समुदाय की उमा भारती मुख्यमंत्री बन चुकी हैं। प्रहलाद पटेल भी इसी समुदाय से आते हैं। उन्हें केंद्रीय मंत्री और सांसदी से इस्तीफा दिलाकर विधानसभा चुनाव लड़ाया गया, वे जीत भी गए। अतएव शिवराज के बाद ओबीसी चेहरे के रूप में दूसरी बड़ी दावेदारी उन्हीं की थी। किंतु इस चेहरे की फेंक लोकसभा चुनाव की दृष्टि से उपयुक्त साबित नहीं हो रही थी, लिहाजा नाम परिवर्तन जरूरी हो गया था। दरअसल केंद्रीय नेतृत्व उत्तरप्रदेश और बिहार में जातीय लाभ के साथ ऐसा चेहरा देना चाहता था, जो ओबीसी आरक्षण की काट तो लगे ही कांग्रेस और विपक्षी दलों के जातीय जनगणना के मुद्दे को भी भोंथरा साबित कर दे। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी खुद के लिए पिछड़ी जाति का कार्ड अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से खेलने की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहे। दरअसल भाजपा दूरदृष्टि से काम ले रही थी, वह न केवल मध्यप्रदेश के यादव समुदाय को साधना चाहती थी, बल्कि उत्तरप्रदेश और बिहार के यादवों तक यह संदेश देना चाहती थी कि भाजपा का साथ दिया तो मोहन यादव जैसे साधारण कार्यकर्ता की तरह इन राज्यों में भी भाजपा बहुमत में आती है तो यादव ही मुख्यमंत्री का कार्ड खेल सकती है। गोया, इन प्रदेशों के अखिलेश और तेजस्वी से जुड़े यादव समूहों में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का बीज बोने का काम कर दिया है। भाजपा का यह कार्ड सफल होता है तो नीतिश कुमार की कुर्सी को चुनौती पेश आ सकती है।

मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर नरेंद्र मोदी ने संघ को भी साधने का काम किया है। क्योंकि बीच-बीच में ऐसी अफवाहें उड़ती रहती हैं कि संघ और भाजपा में दूरियां बढ़ रही हैं। मोहन छात्र रहते हुए 1984 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और 1993 में संघ के रास्ते पर चलते हुए भाजपा में आ गए। वर्तमान में भी प्रदेश में भाजपा के किसी प्रमुख नेता का मोहन पर बरदहस्त नहीं है। संघ में ये सुरेश सोनी के निकट होने के साथ संघ की नीतियों को आगे बढ़ाने वाले कर्मठ नेता माने जाते हैं, इसीलिए मोदी और शाह की पसंद हैं। मोहन यादव के चेहरे को महत्व देकर भाजपा ने उत्तर प्रदेश की पिछड़े वर्ग की 54 प्रतिशत आबादी को साधने की कोशिश की है। इसमें 20 प्रतिशत यादव समाज के मतदाता हैं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटे हैं और प्रधानमंत्री बनने का मार्ग यहीं से खुलता है। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। यहां पिछड़े वर्ग की कुल आबादी 63 प्रतिशत है, जिसमें 14 प्रतिशत यादव बताए जाते हैं। अतएव मोहन यादव के माध्यम से यादव मतदाताओं को साधने की यह कवायद आम चुनाव में भाजपा को लाभदायी साबित हो सकती है।

जिन जगदीश देवड़ा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है, वे भी संघ के करीबी होने के साथ अनुसूचित जाति से आते हैं। अतएव इस चेहरे के साथ भी इस जातीय समुदाय के वोट लुभाने की पहल भाजपा ने की है। दूसरे उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को बनाया गया है, जो प्रदेश में बड़ा ब्रह्मण चेहरा हैं। शिवराज मंत्रिमंडल में मंत्री होने के साथ विंध्य क्षेत्र के हर चुनाव में प्रमुख चेहरा रहने के साथ जीत की गारंटी भी बने रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुख्यमंत्री की दौड़ में तो पिछड़ गए, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बैठ गए। उन्हें नरेंद्र मोदी के करीबी और भरोसेमंद मंत्रियों में गिना जाता है। इसलिए चुनाव लड़ने वाले अन्य सांसदों को उन्होंने पीछे छोड़ दिया। तोमर के जरिए भाजपा ने क्षत्रिय कार्ड भी खेला है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

फूफा का रायता

मनीष कुमार चौधरी
व्यंग्यकार

शादी-ब्याह में रायता फैलाने का आनंद ही कुछ और होता है। अधिकतर मौकों पर यह प्रतिभा प्रदर्शन रूठे फूफा के जिम्मे रहता है। हालांकि शादी में रायता फैलाने में फूफा के अलावा दूल्हे की तेजतर्रार बहन, दूल्हे के कुछ मित्र, टेढ़े समधी, खड़ूस चाची-मामी आदि भी दिलो-दिमाग और मनोयोग से लगे रहते हैं।

विभिन्न रस्मों में इसका डेमो देने में भी वे नहीं हिचकते। अपनी पत्नी के रिलेशन में कोई विवाह आयोजन हो तो मुंह फुलाने में फूफा को विशेष महारत हासिल है। वह इस बात पर भी रूठ सकता है कि शादी में बुलाने की मनुहार उससे आधी-अधूरी ही की गई है। अपनी पत्नी के सामने इसका पुरजोर विरोध भी दर्ज करा देता है। लेकिन वह फूफा है तो क्या उसकी पत्नी भी कम नहीं होती। अपने रिश्तेदारों के सामने ऐसे शुभ अवसर पर कोई फजीहत न हो, इसके लिए वह पति से साफ-साफ कह देती है कि देखिए जी, इस तरह की बातें कर शादी में रायता फैलाने की जरूरत नहीं है।

आप तो घर के आदमी हो, आप से क्या मनुहार करनी..? ज्यादा बनने की जरूरत भी नहीं है, मैं आपकी साइड के सारे रिश्तेदारों को जानती हूं कि कौन-कितनी मनुहार करता है! अपने खानदान की बात सुनते ही फूफा रायता फैलाने की सारी प्लानिंग ताक पर रख देता है। उसे लगता है पत्नी ने उसके रिश्तेदारों की नेचर को लेकर कहीं शादी में रायता फैला दिया तो वह असली रायता खाने से भी वंचित रह सकता है। सरेंडर होकर वह शादी में उत्साह से शामिल होने का एलान कर देता है। पत्नी भन्नाते हुए यह कहकर अपनी बात खत्म करती है कि आप तो मेरे परिवार वालों की हर शादी में इस तरह का नाटक करते हो। शादी ही वह एकमात्र आयोजन है, जहां फूफा को उसकी औकात पता चलती है। अपने निज जीवन में फूफा भले ही कितना तोपची क्यों न हो, शादी में उसकी हैसियत परिवार के उस वयोवृद्ध के समान हो जाती है, जहां उसकी खैर-खबर लेने वाला कोई नहीं होता।

यहां तक कि उसकी पत्नी भी उसे नहीं गांठती और सार्वजनिक रूप से कई महिला रिश्तेदारों के सामने उस पर रौब झाड़ते हुए कहती है कि हमारे ये तो बड़े सीधे-सादे, सरल मन के हैं। जो खिलाए खा लेते हैं, जो पहनाए पहन लेते हैं, जो बोले सुन लेते हैं.. इस टाइप की और भी कई बातें। खिसियाआ हुआ आहत फूफा रायता फैलाने के कुत्सित इरादों की मन ही मन प्लानिंग करता रहता है। लेकिन ज्यादातर मौकों पर प्रैक्टिकली वह ऐसा नहीं कर पाता। ढोलने की बात तो दूर, वह रायता खाने से आगे नहीं बढ़ पाता। पर फूफा तो फूफा ठहरा।

यह पदनाम रायता फैलाने वालों की लिस्ट में चूंकि पहले नंबर पर रहता है, तो उसे यह परंपरा बनाए रखने में भरपूर सहयोग करना पड़ता है। इसके लिए वह भांति-भांति के प्रपंच करता रहता है। कुछ अपवादों को छोड़कर फूफा के हाथ निल बटे सन्नाटा ही आता है। शादी आराम से निबट जाती है और फूफा किसी अगली शादी में रायता फैलाने की योजना पर काम करने लगता है।

नॉलेज कॉर्नर: इस देश में 30 लोगों की आबादी और 4 कुत्ते

दुनिया का सबसे छोटा देश रिपब्लिक ऑफ मोलोसिया!

अमेरिका के नेवादा राज्य से लगता हुआ एक छोटा सा देश है, जिसे लोग "रिपब्लिक ऑफ मोलोसिया' के नाम से जानते हैं। नेवादा एक विशाल राज्य है जो अपने समृद्ध खनन इतिहास और जंगली पश्चिम पदचिह्न के लिए जाना जाता है। क्या आप जानते हैं कि राज्य की सीमाओं के भीतर एक संप्रभु देश है? आपने बिल्कुल सही सुना। एक मूवी देखकर 15 साल के लड़के को अपना अलग देश बनाने का आइडिया आया, इसे मोलोसिया गणराज्य के रूप में जाना जाता है और इसमें वह सब कुछ है जिसकी आप एक राष्ट्र से अपेक्षा करते हैं। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं इस खूबसूरत और आकर्षक दुनिया के सबसे छोटे देश के बारे में...

यहां के शासक का नाम है केविन बॉग

आप यह जरूर जानना चाहते होंगे कि मोलोसिया पर कौन शासन करता है? वह हैं केविन बॉग, जिन्होंने किशोर होने पर एक दोस्त के साथ राष्ट्र की स्थापना की थी। निडर नेता को विभिन्न आयोजनों में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते देखा जा सकता है और उनके लोगों द्वारा बहुत प्यार किया जाता है। मोलोसिया गणराज्य में फ्रेंडशिप गेटवे, बैंक ऑफ किकैसिया और मोलोसियन सरकारी ऑफिस मौजूद है।

विजिटर्स मोलोसिया का दौरा कर सकते हैं। हालांकि कोई भी अचानक नहीं पहुंच सकता, विजिटिंग के लिए तारीखों को देश की वेबसाइट देखना होगा।

1977 में स्थापना

रिपब्लिक ऑफ मोलोसिया कार्सन सिटी के पश्चिम में लगभग तीस मिनट की ड्राइव पर स्थित है। मोलोसिया गणराज्य एक माइक्रोनेशन है। यह एक बहुत छोटा देश है। मोलोसिया दो एकड़ से भी कम भूमि को कवर करता है। यह नेवादा के डेटन स्थित कार्सन नदी के किनारे बसा हुआ है। देश को मूल रूप से ग्रैंड रिपब्लिक ऑफ वल्डस्टीन कहा जाता था, जब इसकी स्थापना 1977 में हुई थी। इसका नाम 1998 में लगभग 20 साल बाद किंगडम ऑफ मोलोसिया में बदल दिया गया था।

देश में रहते हैं सिर्फ 30 लोग

ऐसे स्वघोषित देशों को माइक्रोनेशन कहा जाता है। इनको न तो यूएन की मान्यता है और न ही किसी अन्य देशों की। इनके पास अपना बॉर्डर, कानून, बैंकिंग सिस्टम, सैनिक हैं। हालांकि, पड़ोसी देश भी इन्हें देश के तौर पर अहमियत नहीं देता। यहां कुल 30 लोग रहते हैं, जबकि 4 कुत्ते भी हैं यानी कुल जीव की आबादी 34 है। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
आधुनिक कनेक्टिविटी और सौंदर्यीकरण से कितना बदलाव आता है, काशी इसका बेहतरीन उदाहरण है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
कालीचरण जी को राजस्थान विधानसभा में प्रोटेम स्पीकर की शपथ लेने पर हार्दिक शुभकामनाएं। निश्चित ही आप अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजस्थान की देवतुल्य जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए विधानसभा की गौरवशाली परंपराओं में अभिवृद्धि करेंगे।

अशोक गहलोत, पूर्व, सीएम, राजस्थान
@ashokgehlot51
लोकतंत्र बचाने का संग्राम। अपेक्षित है आपका योगदान। आज़ादी की लड़ाई, देश निर्माण और सत्य संघर्ष की ध्वजवाहक कांग्रेस ने 'डोनेट फ़ॉर देश' अभियान शुरू किया है।

केरल: राज्यपाल व मुख्यमंत्री पी. विजयन के बीच टकराव, नहीं थम रहा आरोपों व वार-पलटवार का सिलसिला

मुख्यमंत्री व एसएफआई का रुख धमकाने वाला, मैं डरने वाला नहीं: खान

एजेंसी | मलप्पुरम (केरल)

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सत्तारूढ़ माकपा की छात्र इकाई के खिलाफ अपना रुख सख्त करते हुए सोमवार को उन्हें 'धमकाने वाला' करार दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि वह उनसे डरने वाले नहीं हैं। विजयन ने एक दिन पहले राज्यपाल पर आरोप लगाया था कि वह भड़काऊ बयान देकर राज्य की शांति को 'भंग' करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का उल्लेख धमकाने वाले के तौर पर किया। खान ने संवाददाताओं से कहा, आप उनका इतिहास जानते हैं? वह कितने हत्या के मामलों में शामिल हैं? एक बुली क्या कहेगा? मैं कैसे उकसा रहा हूं? अगर मैं माकपा के लोगों कोसीनेट में नामांकित करता हूं, तो यह ठीक है? उन्होंने एसएफआई के कार्यकर्ताओं को भी 'बुली' करार दिया। खान ने कहा, यदि वे मुझे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं तो उनका हार्दिक स्वागत है। मैं कह रहा हूं, यहां आइये, यदि

आप मुझे नुकसान पहुंचाना चाहते हो तो यहां आइये। आप क्यों नहीं आते? वे केवल बुली हैं। वे छात्र नहीं हैं। सभी छात्र एसएफआई से जुड़े हुए हैं। किसी छात्र ने प्रदर्शन नहीं किया, यह केवल एसएफआई थी। खान ने कहा, वे शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे थे। अब वे ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने स्थिति बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि उनकी कोई भूमिका नहीं है।

वे निजी हमले कर रहे हैं

खान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्यपाल निजी हमले कर रहे हैं और बिना सोचे-समझे बोलते रहते हैं। राज्यपाल को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें विश्वविद्यालयों की सीनेट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा नामित लोगों की सूची कहां से मिली? विजयन ने कहा, संघ परिवार देशभर के विश्वविद्यालयों को नियंत्रित करना चाहता है। लेकिन उच्च शिक्षा क्षेत्र को नियंत्रित करने और भगवाकरण करने का उनका एजेंडा केरल में काम नहीं करेगा।

खान को हटाने के लिए केंद्र का रुख कर सकते हैं: विजयन

दूसरी ओर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को वापस बुलाने की मांग करने के लिए केंद्र सरकार का रुख करने पर विचार कर सकती है। खान का विभिन्न मुद्दों को लेकर वाम दल के साथ टकराव चल रहा है। विजयन ने 'नव केरल सदास' के बीच यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि खान जानबूझकर उकसाने वाले कृत्य कर राज्य में शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य सरकार को लगता है कि वह राज्य में शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि हमें केंद्र से उन्हें हटाने के लिए कहना पड़ेगा।

एसएफआई ने विरोध में कॉलेजों में बैनर लगाए

माकपा की छात्र इकाई एसएफआई ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ अपने विरोध को तेज करते हुए राज्य भर के कॉलेजों में उनके खिलाफ बैनर लगा दिए। राज्य की राजधानी में सरकारी संस्कृत कॉलेज के बाहर लगाए गए ऐसे ही एक बैनर पर लिखा गया है कि खान को कुलाधिपति के रूप में विश्वविद्यालयों के लिए काम करना चाहिए न कि संघ परिवार के लिए।

केजरीवाल को पूछताछ के लिए 21 को किया तलब

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 दिसंबर को पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। संघीय एजेंसी ने पहली बार उन्हें दो नवंबर को पेश होने के लिए बुलाया था, लेकिन वह यह आरोप लगाते हुए जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए कि नोटिस अस्पष्ट, राजनीति से प्रेरित और कानून के मुताबिक विचारणीय नहीं था। अधिकारियों ने कहा कि केजरीवाल को भेजा गया समन कथित दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूछताछ और धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत उनका बयान दर्ज करने से संबंधित है। उन्हें 21 दिसंबर को यहां ईडी मुख्यालय में पेश होना है। दिल्ली के अधिकारियों ने शनिवार को कहा था कि केजरीवाल 19 दिसंबर को 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे।

बोर्ड व निगम प्रमुख पदों पर नियुक्ति में जुटी कांग्रेस

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की सोमवार से नई दिल्ली की यात्रा के दौरान राज्य संचालित विभिन्न बोर्ड और निगमों के प्रमुख पदों पर पार्टी के विधायकों और कार्यकर्ताओं के नामों की सूची को अंतिम रूप प्रदान कर सकती है। शिवकुमार ने कहा कि सूची को पहले ही शीर्ष नेतृत्व के पास स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है। हम निश्चित रूप से इसे अंतिम रूप देकर लौटेंगे। हमने पहले ही सूची और प्रस्ताव भेज रखा है। मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात को लेकर पूछे गए एक सवाल पर शिवकुमार ने कहा,ठीक है, हम मिलेंगे।

संसद में टकराव: निलंबन पर विपक्ष का रुख आक्रामक

'INDIA' के घटक दल आज कर सकते हैं कार्यवाही का बहिष्कार

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा करने पर निलंबित किए गए विपक्षी सांसदों के मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन इंडिया काफी आक्रामक देखा जा रहा है।

गठबंधन नें शामिल नेताओं की ओर से इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बीच, सूत्रों ने जानकारी दी है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दल मंगलवार को संसद की कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे।

इस गठबंघन के सांसद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही में भाग नहीं लेंगे। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों ने लोकसभा से 33 तथा राज्यसभा से 45 विपक्षी सदस्यों के निलंबन को तानाशाही भरा कदम करार देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को रौंदने के लिए संसद में बुलडोजर चला रही है।

सरकार की संसद चलाने की मंशा नहीं: गोगोई

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया, तानाशाही का दूसरा नाम मोदीशाही है। यह सिर्फ सांसदों का नहीं लोकतंत्र का निलंबन है। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता और निलंबित सदस्यों में शामिल गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को रौंदने के लिए संसद में बुलडोजर चला रही है। उन्होंने कहा, यह देश के लोगों के मौलिक अधिकारों को रौंदने की प्रक्रिया है। यह साफ-साफ जाहिर करता है कि सरकार की मंशा सदन चलाने की नहीं है, सिर्फ गृह मंत्री की विफलता को छिपाने की है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि संसद अब चर्चा की नहीं, बल्कि निलंबन की जगह बन गई है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा,यह तानाशाही का कदम है।

निलंबन लोकतंत्र का मजाक: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संसद से विपक्षी सदस्यों के निलंबन की कार्रवाई को लोकतंत्र का मजाक बताते हुए कहा कि भाजपा डरी हुई है। टीएमसी प्रमुख ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वे विपक्ष के सभी सदस्यों को संसद से निलंबित कर सकते हैं और फिर "लोकतंत्र का मजाक" बना सकते हैं। बनर्जी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा, उन्होंने इतने सारे सांसदों को निलंबित क्यों किया? क्या आपको नहीं लगता है कि उन्होंने दो राज्य जीते इसलिए वे इतने अहंकारी हो गए हैं? मुख्यमंत्री ने कहा, "सौगत रे (टीएमसी के लोकसभा सदस्य) देश के वरिष्ठ नेता हैं। वह भी निलंबित सांसदों में से हैं। सभी को निलंबित किया जा रहा है... वे किसी भी अनुचित चीज के लिए एक या दो सांसदों को निलंबित कर सकते हैं। यदि वे सामूहिक रूप से सदस्यों को निलंबित करते हैं...तो सदन को ही निलंबित कर देना चाहिए।बनर्जी ने कहा, "सदन सर्वोच्च है...अगर उनके पास बहुमत है, तो वे इतने डरे हुए क्यों हैं? वे सभी विधेयकों को ध्वनि मत से पारित कर रहे हैं। वे सभी सदस्यों को निलंबित कर देते हैं, वे अपनी आवाज कैसे उठा पाएंगे?'

स्पीकर व सभापति का अपमान किया गया : पीयूष गोयल

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का 'अपमान' करने और अपने आचरण से देश को 'शर्मिंदा' करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्षी सदस्य तख्तियां लेकर आए और जानबूझकर संसदीय कार्यवाही को बाधित किया जबकि पहले फैसला लिया गया था कि सदन में तख्तियां ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गोयल ने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष और सभापति के बार-बार के अनुरोधों पर ध्यान देने से इनकार कर दिया और उनका अपमान किया।

महाराष्ट्र: लोकायुक्त विधेयक पारित

भ्रष्टाचार के खिलाफ पहल, लोकपाल के दायरे में CM व मंत्री

एजेंसी | नागपुर

महाराष्ट्र विधानसभा ने सोमवार को लोकायुक्त विधेयक 2022 पारित कर दिया। यह मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद को भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल के दायरे में लाता है।

इसे उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सदन में पेश किया। यह विधेयक शुक्रवार को विधान परिषद से पारित हो गया। महाराष्ट्र ऐसा विधेयक पारित करने वाला देश का पहला राज्य है जिसके दायरे में मुख्यमंत्री और उनका मंत्रिमंडल आते हैं। विधेयक के मुताबिक, लोकायुक्त को मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई भी जांच शुरू करने से पहले विधानसभा की मंजूरी लेनी होगी, जिसके लिए सदन में एक प्रस्ताव लाना होगा।

ऐसे प्रस्ताव को विधानसभा के कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा पारित करना होगा।

ये हैं प्रावधान

- सीएम के खिलाफ जांच के लिए लेनी होगी विधानसभा की मंजूरी
- प्रस्ताव के लिए दो तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी

तो जांच का रिकॉर्ड नहीं होगा प्रकाशित

विधेयक में यह भी कहा गया है कि लोकायुक्त आंतरिक सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित मामलों पर मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों की जांच नहीं करेगा। ऐसी किसी भी जांच को गुप्त रखा जाएगा और यदि लोकायुक्त इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि शिकायत खारिज करने योग्य है, तो जांच के रिकॉर्ड प्रकाशित नहीं किए जाएंगे या किसी को भी उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे।

मौजूदा या पूर्व जज होंगे अध्यक्ष

लोकायुक्त में एक अध्यक्ष होगा, जो उच्च न्यायालय का वर्तमान या पूर्व मुख्य न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय या बंबई उच्च न्यायालय का न्यायाधीश होगा। लोकायुक्त में अधिकतम चार सदस्य होंगे, जिनमें से दो न्यायपालिका से होंगे। लोकायुक्त विधेयक पिछले साल शीतकालीन सत्र में विधानसभा द्वारा पारित किया गया था लेकिन उस समय जब इसे परिषद में पेश किया गया था तो कुछ विधायकों ने आपत्ति जताई थी। फिर विधेयक को एक संयुक्त समिति के पास भेजा गया था।

लोकसभा चुनावों की तैयारी

कांग्रेस नेतृत्व ने उत्तरप्रदेश के नेताओं के साथ किया मंथन

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सोमवार को पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के साथ रणनीतिक बैठक की। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी, राजीव शुक्ला, सलमान खुर्शीद तथा कई अन्य नेता शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही सीट बंटवारे को लेकर भी मंथन किया गया। बैठक के बाद खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उत्तर प्रदेश में संगठन और पार्टी की मज़बूती के लिए सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई।

सीएम व मंत्रियों के वेतन में वृद्धि की सिफारिश

रांची। झारखंड विधानसभा की एक समिति ने मुख्यमंत्री के वेतन में 25 प्रतिशत जबकि अन्य मंत्रियों के वेतन में लगभग 31 प्रतिशत वृद्धि की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष, विपक्ष के नेता, मुख्य सचेतक और सचेतक के वेतन तथा अन्य भत्तों की समीक्षा के लिए पांच सदस्यीय एक समिति का गठन किया गया था। समिति के संयोजक विधायक रामचन्द्र चंद्रवंशी ने सोमवार को दिन में अपनी रिपोर्ट सदन में रखी। समिति ने मुख्यमंत्री का वेतन 80,000 रुपएप्रति माह से बढ़ाकर एक लाख रुपए प्रति माह करने की सिफारिश की है।

कांग्रेस का डोनेट फॉर देश अभियान शुरू

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आम जनता से चंदा एकत्र करने के लिए सोमवार को 'डोनेट फॉर देश' नाम से अभियान शुरू किया। अभियान की शुरुआत करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक आज

सीटों के बंटवारे, लोकसभा चुनाव के लिए साझा रणनीति पर होगा मंथन

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक मंगलवार को यहां होगी, जिसमें अगले लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे, साझा जनसभाएं करने और नए सिरे से रणनीति बनाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। जनता दल (यू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार और शिवसेना (यूबीटी) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे बैठक के लिए सोमवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में सकारात्मक एजेंडा तय करने को लेकर मुख्य रूप से चर्चा संभव है। 'इंडिया' गठबंधन जाति आधारित गणना, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को आगे बढ़ा सकता है। बैठक दिल्ली के अशोका होटल में होगी। बैठक हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में हो रही है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है।ज्ञात रहे कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' गठबंधन बनाया है।

देशभर में प्रचार के लिए ममता तैयार

टीएमसी प्रमुख ने कहा कि वह गठबंधन सहयोगियों के लिए देश भर में प्रचार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ भी बैठक की और देश की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की।

पीएम फेस पर फैसला लोकसभा चुनाव के बाद: ममता

बैठक से पहले तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद किया जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या 'इंडिया' गठबंधन सीट-बंटवारे जैसे मुद्दों पर कदम उठाने में देर कर रहा है, इस सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा, देर आए, दुरुस्त आए।

कांग्रेस 'जमींदारी संस्कृति' छोड़े और ममता को गठबंधन के चेहरे के रूप में पेश किया जाए: टीएमसी

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस से अनुरोध किया कि वह अपनी 'जमींदारी संस्कृति' को त्यागकर ममता बनर्जी जैसे वरिष्ठ नेताओं को गठबंधन के चेहरे के तौर पर पेश करने की दिशा में काम करे। टीएमसी और कांग्रेस दोनों ही इस गठबंधन में शामिल हैं। टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कोलकाता में संवाददाताओं से कहा, तीन राज्यों में मिली हार के बाद कांग्रेस को इससे सबक लेना चाहिए। पार्टी अपने साझेदारों के साथ अपनी प्रजा की तरह व्यवहार नहीं कर सकती। यह सुनिश्चित करने के लिए कि 'इंडिया' गठबंधन की जीत हो, उसे (कांग्रेस) तीन बार की मुख्यमंत्री और तीन बार की केंद्रीय मंत्री ममता बनर्जी और अन्य वरिष्ठ नेताओं को गठबंधन का चेहरा बनाना होगा। कांग्रेस भाजपा को हराने में विफल रही है। दूसरी ओर, ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी के पास कई बार भाजपा को हराने का रिकॉर्ड है।

क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत, इंडिया के साथ: तेजस्वी

बिहार के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पहले गठबंधन की जो समितियां बनाई गई थीं, वे पर्दे के पीछे काम कर रही थीं और चुनाव की तैयारी की जा रही थी। विपक्षी समूह में हर कोई अपनी भूमिका निभाएगा। इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय दल बहुत मजबूत हैं।

जरूरी खबर

केदार व बदरीनाथ की सुरक्षा का जिम्मा ITBP को

देहरादून। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित केदारनाथ व बदरीनाथ मंदिरों के कपाट बंद होने के बाद दोनों धामों में सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस की तैनाती कर दी गई है। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने सोमवार को बताया कि दोनों धामों में आईटीबीपी के जवानों की एक- एक प्लाटून पहुंच गई है और उन्होंने मंदिरों की सुरक्षा का जिम्मा संभाल लिया है। गत वर्ष केदारनाथ धाम के गर्भगृह के स्वर्ण मंडित होने और दोनों धामों में मास्टर प्लान के तहत व्यापक स्तर पर पुनर्निमाण कार्य चल रहे है।

रेप, रेप है, चाहे यह पति ने ही क्यों न किया हो: हाई कोर्ट

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने कहा है कि बलात्कार आखिर बलात्कार होता है, भले ही यह किसी पुरुष द्वारा अपनी पत्नी के साथ ही क्यों न किया गया हो। भारत में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा पर कायम चुप्पी को तोड़ने की जरूरत है। हाल में में दिए गए एक आदेश में, न्यायाधीश दिव्येश जोशी ने कहा कि भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की वास्तविक घटनाएं सामने आने वाले आंकड़ों से संभवतः कहीं अधिक हैं। आदेश में कहा गया कि पीछा करने, छेड़छाड़, मौखिक और शारीरिक हमले जैसी कुछ चीजों को समाज में आम तौर पर मामूली अपराध के रूप में चित्रित किया जाता है।

धोखाधड़ी वाले 2500 लोन एप प्ले स्टोर से हटाए

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को लोकसभा को सूचित किया कि गूगल ने अप्रैल 2021 से जुलाई 2022 के बीच अपने प्ले स्टोर से 2,500 से अधिक धोखाधड़ी वाले ऋण एप को निलंबित किया है या हटा दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार धोखाधड़ी वाले ऋण णएप को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामकों तथा संबंधित हितधारकों के साथ लगातार काम कर रही है। गूगल ने प्ले स्टोर पर ऋण देने वाले एप को शामिल करने के संबंध में अपनी नीति को अद्यतन किया है।

स्वर्वेद महामंदिर: दुनिया का सबसे बड़ा ध्यान केंद्र

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को वाराणसी में स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन के मौके पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ व अन्य के साथ।

स्वर्वेद महामंदिर एक नजर में...

- 200 एकड़ में फैला है मंदिर का परिसर
- 7 मंजिला है स्वर्वेद महामंदिर की इमारत
- 64 हजार वर्गफीट में बना है महामंदिर
- 180 फीट है ऊंचाई
- 4000 दोहे अंकित हैं मंदिर की दीवारों पर
- 20,000 से अधिक लोग एक साथ बैठकर कर सकते हैं ध्यान
- 2004 में शुरू हुआ स्वर्वेद मंदिर का निर्माण
- 19 वर्षों में इस मंदिर को दिया गया आकार
- वाराणसी शहर के केंद्र से लगभग 12 किमी दूर उमराहा क्षेत्र में स्थित यह स्वर्वेद महामंदिर

मंदिर की खासियत

इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां पर भगवान की नहीं, योग- साधना की पूजा होती है। मंदिर की दीवारों पर अद्भुत नक्काशी की गई है। स्वर्वेद महामंदिर की नींव 2004 में सद्गुरु आचार्य स्वतंत्र देव और संत प्रवर विज्ञान देव ने रखी थी। महामंदिर के निर्माण में 600 श्रमिकों और 15 इंजीनियरों की मेहनत लगी है।

पीएम मोदी ने किया स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन

सांस्कृतिक प्रतीकों को बनाया था निशाना, पुनर्निर्माण जरूरी: मोदी

एजेंसी | वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि आजादी के सात दशक बाद आज समय का चक्र एक बार फिर घूमा है और देश अब गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और अपनी विरासत पर गर्व की घोषणा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को वाराणसी में दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र 'स्वर्वेद महामंदिर' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, गुलामी के दौर में जिन अत्याचारियों ने भारत को कमजोर करने का प्रयास किया, उन्होंने सबसे पहले हमारे सांस्कृतिक प्रतीकों को ही निशाना बनाया। आजादी के बाद इन सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनर्निर्माण आवश्यक था।

अगर हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देते, तो देश के भीतर एकजुटता और आत्मसम्मान का भाव मजबूत होता। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा हुआ नहीं। आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण तक का विरोध किया गया था और इस तरह की सोच दशकों तक देश पर हावी रही। इसका नतीजा यह हुआ कि देश हीन भावना के गर्त में चला गया।

अपनी विरासत पर गर्व करना भूल गया। पीएम मोदी ने कहा, जो काम सोमनाथ से शुरू हुआ था, वो अब एक अभियान बन गया है।

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति की घोषणा कर रहा है देश

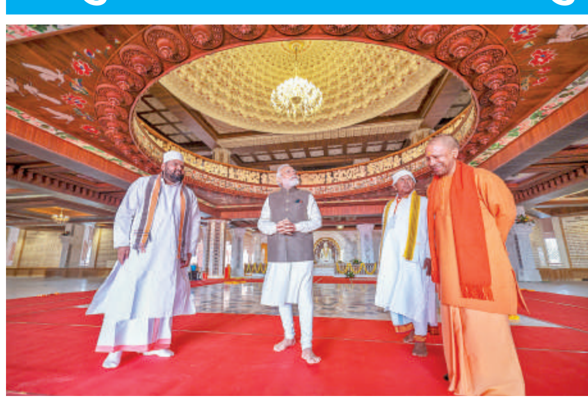

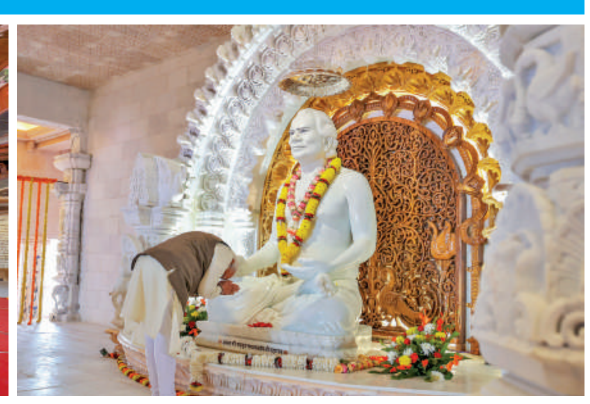

बकौल मोदी अब बनारस के यह हैं मायने

अब बनारस का मतलब है- विकास। अब बनारस का मतलब है -आस्था के साथ आधुनिक सुविधाएं। अब बनारस का मतलब है- स्वच्छता और बदलाव। बनारस आज विकास के अद्वितीय पथ पर अग्रसर है।

आज काशी में विश्वनाथ धाम की भव्यता भारत के अविनाशी वैभव की गाथा गा रही है।

आज महाकाल महालोक हमारी अमरता का प्रमाण दे रहा है। आज केदारनाथ धाम भी विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बुद्ध सर्किट का विकास करके भारत एक बार फिर दुनिया को बुद्ध की तपोभूमि पर आमंत्रित कर रहा है। देश में राम सर्किट के विकास के लिए भी तेजी से काम हो रहा है और अगले कुछ सप्ताह में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी पूरा होने जा रहा है।

19,150 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन सेवापुरी विकासखंड के बरकी गांव में वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए करीब 19,150 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया और बाद में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, अबसे कुछ महीने बाद ही देश में चुनाव हैं और मोदी ने देश को गारंटी दी है कि वह अपनी तीसरी पारी में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 'काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता-2024' का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत ट्रेन, दोहरीघाट-मऊ ट्रेन समेत कई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर देश को समर्पित किया। उन्होंने वाराणसी की पर्यटन वेबसाइट 'काशी' की भी शुरुआत की।

'गारंटी वाली गाड़ी' एकदम सुपरहिट

प्रधानमंत्री ने 'गारंटी वाली गाड़ी' को स्पष्ट करते हुए कहा, हमारी सरकार ने जनकल्याण की जो भी योजनाएं बनाई हैं, उनसे कोई भी लाभार्थी वंचित न रहे। पहले गरीब सरकार के पास सुविधाओं के लिए चक्कर लगाता था। अब मोदी ने कह दिया है कि सरकार खुद चलकर गरीबों के पास जाएगी। इसलिए मोदी की 'गारंटी वाली गाड़ी' एकदम सुपरहिट हो गई है।

तमिलनाडु में मूसलाधार बारिश का कहर

कई इलाके हुए जलमग्न 800 ट्रेन यात्री फंसे

राहत एवं बचाव

पानी से घिरे घर

एजेंसी | चेन्नई/कन्याकुमारी

मूसलाधार बारिश से दक्षिण तमिलनाडु के तिरुनेलवेली और तूत्तुक्कुडि सहित कई क्षेत्र जलमग्न हैं और यहां स्थित गांव, कस्बे, सड़कें और राजमार्ग में बाढ़ का पानी नदियों की तरह उफना रहा है। तूत्तुक्कुडि जिले के श्रीवैकुंटम में लगभग 800 रेल यात्री 20 घंटे से फंसे हुए हैं। तिरुचेंदूर-चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस 17 दिसंबर को रात भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण श्रीवैकुंटम रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया था। करीब 500 श्रीवैकुंटम रेलवे स्टेशन पर और लगभग 300 नजदीकी स्कूल में ठहरे हैं। बाढ़ का पानी घुसने के कारण तिरुनेलवेली के सीवलापेरी इलाके में अनेक स्थानीय निवासियों ने दो मंजिला घरों की छत पर शरण ली है। मीनाक्षीपुरम में भी कुछ ऐसा ही नजारा है।

लद्दाख व J&K में भूकंप

एजेंसी | जम्मू

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सोमवार को 15 मिनट के भीतर तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप के पहले झटके की तीव्रता 5.5 मापी गई और इसके बाद कम तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भी भूकंप का हल्का झटका आया। भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का पहला झटका अपराह्न 3.48 बजे आया और इसका केंद्र कारगिल था। भूकंप का केंद्र सतह से 10 किलोमीटर नीचे 33.41 डिग्री अक्षांश और 76.70 डिग्री देशांतर पर था।

आईएसआईएस के 19 ठिकानों पर NIA के छापे

IED धमाकों की साजिश नाकाम, 8 आतंकी पकड़े

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को तीन राज्यों और दिल्ली में 19 स्थानों पर छापेमारी कर आईएसआईएस के एक मॉड्यूल सरगना सहित आठ कथित आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

एनआईए ने आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के खिलाफ सुबह-सुबह कार्रवाई करते हुए कर्नाटक में बेल्लारी और बेंगलुरु, महाराष्ट्र में अमरावती, मुंबई और पुणे, झारखंड में जमशेदपुर और बोकारो के अलावा दिल्ली में 19 ठिकानों पर छापेमारी की। इससे आरोपियों द्वारा आतंकी कृत्यों, विशेषकर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोटों को अंजाम देने की योजना को विफल कर दिया गया।

इन लोगों को किया गिरफ्तार

अधिकारी ने कहा कि मॉड्यूल प्रमुख मिनाज को सैयद समीर के साथ बेल्लारी से गिरफ्तार किया गया, जबकि मुंबई से अनस इकबाल शेख को, बेंगलुरु से मोहम्मद मुनीरुद्दीन, सैयद समीउल्लाह उर्फ सामी और मोहम्मद मुजम्मिल को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली से शायान रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से मोहम्मद शहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार किया गया। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए आईएसआईएस के आठ एजेंट प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस के आतंक और आतंकवाद से संबंधित कृत्यों और गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने में शामिल थे। ये लोग मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान के नेतृत्व में काम कर रहे थे।

कॉलेज के छात्र थे टारगेट पर

एनआईए प्रवक्ता ने कहा, आतंकवादी अपने संगठन में भर्ती के उद्देश्य से विशेष रूप से कॉलेज के छात्रों को लक्षित कर रहे थे और जिहाद के उद्देश्य से मुजाहिदीन की भर्ती से संबंधित दस्तावेजों को भी प्रसारित कर रहे थे। छापेमारी आईएसआईएस की आतंकी साजिश को नष्ट करने के एनआईए के प्रयासों का हिस्सा थी। कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली की पुलिस के करीबी समन्वय और सहयोग से यह छापेमारी की गई।

छापों में मिली विस्फोटक सामग्री

छापेमारी में सल्फर, पोटैशियम नाइट्रेट, चारकोल, बारूद, चीनी और इथेनॉल जैसी विस्फोटक सामग्री के अलावा तेज धार वाले हथियार, स्मार्टफोन और अन्य डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ बेहिसाबी नकदी और कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए।

संसद की सुरक्षा में चूक

पुलिस ने आरोपियों के FB पेज, खातों का विवरण मांगा

एजेंसी | नई दिल्ली।

दिल्ली पुलिस ने संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार छह आरोपियों के सोशल मीडिया खातों और अब हटाए गए फेसबुक पेज 'भगत सिंह फैन क्लब' के विवरण तक पहुंचने के लिए मेटा को पत्र लिखा है। 'भगत सिंह फैन क्लब' के जरिए ही ये आरोपी एक-दूसरे के सम्पर्क में आए थे। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने सभी आरोपियों के बैंक खाते का विवरण भी एकत्र किया है ताकि यह पता किया जा सके कि क्या उन्हें 13 दिसंबर की घटना को अंजाम देने के लिए किसी से पैसे मिले हैं।

मेटा से आरोपियों के व्हाट्सएप चैट मांगे

सूत्रों ने कहा कि मेटा से आरोपियों की व्हाट्सएप चैट साझा करने का भी अनुरोध किया गया है, क्योंकि उनके मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस के अनुसार, इस मामले में 'साजिशकर्ता' ललित झा ने राजस्थान के नागौर में अपना मोबाइल फोन फेंक दिया और अन्य आरोपियों के मोबाइल फोन जला दिए। बाद में पुलिस ने टूटे और जले हुए मोबाइल फोन के टुकड़े बरामद किए। इन हिस्सों को फोरेंसिक विभाग में यह पता करने के लिए भेजा गया है कि क्या इनसे डेटा रिकवर किया जा सकता है।

प्रोग्राम बोर्न दिस वे : एचआईवी व अलग सेक्सुअल आइडेंटिटी वाले लोगों ने भाग लिया

समाज का बुरा व्यवहार LGBTQ युवाओं को कर देता है सुसाइड के लिए मजबूर

बेधड़क | जयपुर

आज भी लोग डिफरेंट सेक्सुअल आइडेंटिटी रखने वाले वर्ग को पागल और बीमार मानते हैं, लेकिन एक लड़का और लड़की जिस भी तरह से पैदा हुआ है उसमें उसका कोई दोष नहीं है। समाज का बुरा वव्यहार और ताने उसे आत्महत्या के लिए मजबूर कर देते हैं। उसी का नतीजा है कि आत्महत्या करने वाले युवाओं में 30 प्रतिशत के लगभग एलजीबीटीक्यू के लोग होते हैं।

यह विचार एलजीबीटीक्यू प्लस समुदाय के स्टेट लेवल 'प्रोग्राम बोर्न दिस वे' में विशेषज्ञों ने रखे। स्टेट रेनबो सोसायटी और पॉजिटिव युवा नेटवर्क की और से फर्स्ट फाउंडेशन डे पर प्रोग्राम में राज्यभर के ट्रांसजेंडर, एचआईवी व अलग सेक्सुअल आइडेंटिटी वाले लोगों ने भाग लिया। साथ ही एलजीबीटी वर्ग की काउंसिल करने वाले मनोचिकित्सक, एचआईवी व ट्रैंसजेंडर के हितों पर काम करने वाले सोशल एक्टिविस्ट शामिल हुए। होटल द ललित और वसुधा एनजीओ प्रोग्राम के को-पार्टनर रहे।

रखी अपने हक की बात

प्रोग्राम की आयोजक नूर शेखावत ने बताया कि 'बोर्न दिस वे' प्रोग्राम में एलजीटीक्यू के हक की बात रखी। आज भी अधिकतर लोगों को एलजीबीटीक्यू समुदाय के बारे में जानकारी नहीं है। ऐसे में इन मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रांसजेंडर, एलजीबीटीक्यू ग्रुप, एक्टिविस्ट और इस मुद्दे पर काउन्सिंग कर रहे काउंक्लर्स को इनवाइट किया गया। ऐसा राजस्थान में पहली बार हो रहा है कि इस वर्ग से जुड़े लोग अपनी बात कह पा रहे हैं।

ये भी रहे मौजूद

प्रोग्राम में सभी ने गेट-टू-गेदर भी किया और अपनी बातें भी रखी। अंत में पार्टी को एंजॉय करते हुए मौहाल को खुशनुमा बनाया गया। इस मौक पर द होटल ललित के जनरल मैनेजर राहुल धर, एचआर से सुधीर सारस्वत, सहिना पठान आदि उपस्थित रहे। वहीं गेस्ट स्पीकर के रूप में राजस्थान युनिवर्सिटी की प्रोफेसर रश्मि जैन, लॉयर हर्षिता परीक, मनोंमेट्रिक्स के अर्पित शर्मा आदि ने शिरकत की।

पोषण देने वाला फूड भी फ्री देना होगा

पॉजिटिव युवा एसोसिएशन की प्रेसिडेंट मनीषा गोस्वामी और वसुधा एनजीओ की निदेशक मोना ने बताया कि सरकार को मां के पेट से ही एचआईवी से पीड़ित बच्चों को सिर्फ दवाई ही नहीं, बल्कि पोषण देने वाला फूड भी फ्री देना होगा। सरकार हार्मोनल ट्रीटमेंट में छूट दे। कई वर्षो से देश के ट्रांसजेंडर की फ्री काउंसलिंग कर रहे मनोचिकित्सक अर्पित शर्मा ने बताया कि आज बच्चा अगर अपने शरीर में कुछ अलग फील कर रहा है तो पैरेंट्स को लगता है कि इंटरनेट देख कर बच्चा बिगड़ रहा है। वे बच्चे को लेकर हमारे पास आते हैं तो ये बोलते हैं कि इसका दिमाग ठीक कीजिए। मेरे बच्चे को नार्मल कीजिए। उनको लगता है कि उनका बच्चा एलजीबीटीक्यू से नहीं हो सकता। वहीं, रेज फाउंडेशन कैप्टन गुरविंदर विर्क ने कहा कि एचआईवी पीड़ित बच्चे अक्सर या तो बिलकुल बागी हो जाते हैं या बिलकुल चुप हो जाते हैं। दोनों ही अवस्था ऐसे बच्चों के लिए सही नहीं है। आज एचआईवी का बेहतरीन इलाज संभव है। समाज भी ऐसे बच्चों से दूरी घटा रहा है।

विकास के मुद्दों पर की चर्चा

बेधड़क. जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से जेएनयू चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने मुलाकात की। इस मौके पर प्रदेश के विकास के मुद्दों पर चर्चा की गई। राजस्थान को एजुकेशनल हब बनाने व नए उद्योगों को विकसित कर रोजगार के अवसर में वृद्धि के प्रयासों पर बात की। इस अवसर पर सासंद रामचरण बोहरा भी उपस्थित थे। चर्चा में इस बात पर भी जोर दिया गया कि राजस्थान में नए उद्योगों को विकसित कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने जन कल्याण के लिए समर्पित निर्माणाधीन नए कैंसर हॉस्पिटल के लिए शुभकामनाएं दीं।

संगीत और रंगमंच का संगम

बेधड़क. जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 22 से 24 दिसंबर तक 3 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया जाएगा। कला संसार मधुरम के तहत होने वाले कार्यक्रम में कला प्रेमी साहित्य, संगीत और रंगमंच से जुड़ी प्रस्तुतियां का आनंद लेंगे। पहले दिन शाम 6:30 बजे रंगायन सभागार में शास्त्रीय गायन व वादन प्रस्तुति होगी। प्रसेनजीत सेनगुप्ता और डॉ. विनायक शर्मा सरोद और सितार की जुगलबंदी पेश करेंगे। वहीं पं. आनंद वैद्य की शास्त्रीय गायन प्रस्तुति होगी। दूसरे दिन रंगायन सभागार में शाम को जूही बब्बर सोनी द्वारा लिखित और निर्देशित नाटक 'विद लव, आपकी सैयारा' का मंचन किया जाएगा। इसमें जूही बब्बर खुद मुख्य पात्र की भूमिका निभाएंगी। नेहा शेख, अचिंत मारवाह व अन्य कलाकार शामिल होंगे। नाटक की कहानी नादिरा जहीर बब्बर द्वारा परिकल्पित चरित्र से प्रेरित है। गायक मोहम्मद रफी की जयंती पर 24 दिसंबर को रंगायन में रजनी आचार्य के प्रोडक्शन में तैयार फिल्म दास्तान-ए-रफी की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसका निर्देशन रजनी आचार्य और विनय पटेल ने किया है। तीन दिवसीय महोत्सव में रोजाना संवाद प्रवाह का भी आयोजन होगा, जिसमें विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे।

City इवेंट्स

प्रकाश संयोजन सीखेंगे युवा

बेधड़क, जयपुर। बिस्मिल्लाह खान नेशनल अवॉर्डी मिलिंद श्रीवास्तव और एनएसडी की विजिटिंग फैकल्टी दौलत वैद्य प्रकाश संयोजन की तकनीक व अन्य पक्षों की जानकारी दे रहे हैं। मौका है जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित प्रकाश संयोजन कार्यशाला का, जिसमें केन्द्र की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत, अन्य प्रशासनिक अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद रहे। 5 दिवसीय कार्यशाला में 20 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर जोधावत ने कहा कि मंचीय प्रस्तुति में प्रकाश संयोजन का बड़ा महत्व है। कलाकार विशेषज्ञों के जरिए इसे सीखकर प्रस्तुति को खास बनाएं। वहीं प्रशिक्षक दौलत वैद्य ने कहा कि प्रकाश संयोजन के बिना थिएटर अधूरा है।

जयपुर की हिमानी ने जीते दो रजत

बेधड़क, जयपुर। बैडमिंटन एशिया सीनियर ओपन-2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए जयपुर की हिमानी पूनिया ने दो खिताब अपने नाम किए। उन्होंने महिला एकल 40+ और महिला युगल 40+ श्रेणियों में भारत के लिए 2 रजत पदक हासिल कर मान बढ़ाया। गौरतलब है कि टूर्नमिंट वियतनाम के दनांग में 11 से 17 दिसंबर तक आयोजित किया गया। इस उपलब्धि पर उन्होंने कहा कि देश के लिए पदक जीतकर बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।

वार्षिकोत्सव में प्रतिभाओं का सम्मान

बेधड़क, जयपुर। सरयू पारीण ब्राह्मण समाज राजस्थान का वार्षिकोत्सव और दीपावली मिलन समारोह रविवार को 200 फीट बायपास रोड पर जिंदल गार्डन में मनाया गया। इसमें जयपुर, जोधपुर इकाई अध्यक्ष केके पाठक, भिवाड़ी से अरुण कुमार पांडेय, कोटा से सरोज त्रिपाठी, बूंदी और चित्तौड़गढ़ के प्रतिनिधि सहित राजस्थानभर से सरयू परिवार के पदाधिकारी, राजस्थान कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेश द्विवेदी, उत्तराखंड सभा के अध्यक्ष डीएस रावत, प्रभात शर्मा, सौरभ सारस्वत आदि उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस महानिदेशक आलोक त्रिपाठी थे और अध्यक्षता आनंदवर्धन शुक्ल ने किया। समारोह में प्रोफेसर जेपीएन पांडेय विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में शिक्षा अथवा सेवा के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले समाज के प्रतिभावान युवकों और युवतियों का सम्मान किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले समाज बंधुओं को भी सम्मानित किया गया।

एक्सपट्र्स ने रखे विचार और बताई तकनीक

आधुनिक लाइफ स्टाइल से अब कम उम्र में जोड़ों की समस्याएं

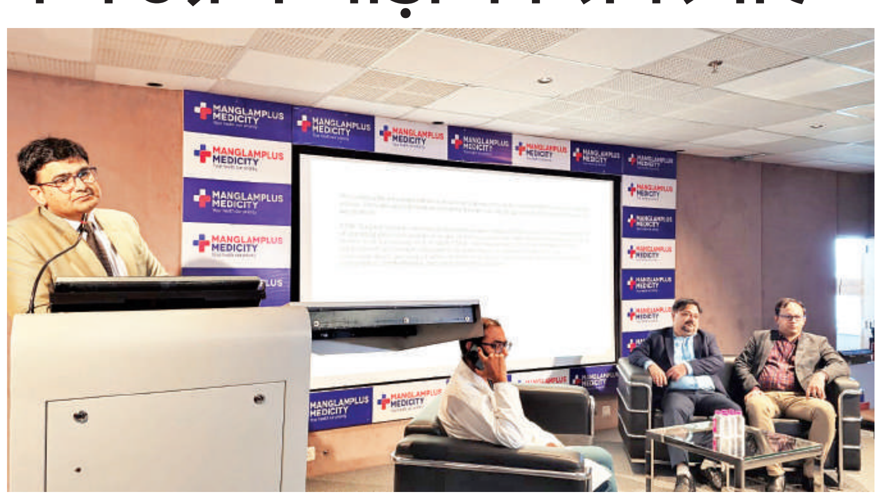

बेधड़क | जयपुर

आधुनिक लाइफ स्टाइल के कारण अब कम उम्र में घुटने के जोड़ों की समस्याएं बढ़ गई है। पहले ये बुढ़ापे में ही होता था, लेकिन अब कम उम्र में हो सकता है।

साइक्लिंग, एक्सरसाइज, वॉकिंग-जॉकिंग आदि के साथ खान-पान सही नहीं है। इस कारण नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणाम रोबोटिक सर्जरी से कहीं अधिक बेहतर हो गए हैं। यह विचार देश-दुनिया में सेवाएं दे चुके डॉक्टर्स ने मानसरोवर स्थित मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल में रखे।

सीनियर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एसएस खत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रणाली सर्जन को 100 प्रतिशत सटीकता के साथ प्रत्यारोपण में मदद करती है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें हड्डी कम काटनी पड़ती है। रोबोटिक्स के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह टोटल, पार्शियल दोनों नी रिप्लेसमेंट के लिए उपलब्ध है। वहीं, डायरेक्टर नेहा गुप्ता ने कहा कि रोबोट सर्जरी एक नई इनोवेशन है, जिसने आर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में काफी बड़ा बदलाव किया है। यह रियल टाइम इंटेलिजेंसी पर काम करता है, जिससे हर मरीज को कस्टमाइज सर्जरी के साथ सटीक परिणाम मिलते हैं।

1500 लोगों ने बांटी खुंशियां

स्नेह मिलन में खंडेलवाल वैश्य समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

बेधड़क | जयपुर

मानसरोवर विस्तार के खंडेलवाल वैश्य समाज का स्नेह मिलन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें हर उम्र के लोगों ने हिस्सा लिया। बालाजी पेराडाइज में हुए आयोजन में डेढ़ हजार से ज्यादा खंडेलवाल समाज बंधुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर समाज की मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। खंडेलवाल वैश्य समाज मानसरोवर विस्तार अध्यक्ष विमलेश कुमार तांबी और महासचिव मुकेश खंडेलवाल ने बताया कि मुख्य अतिथि हनुमान प्रसाद मामोड़िया और आमंत्रित अतिथियों में डॉ. राजीव खंडेलवाल, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, खंडेलवाल वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश तूंगावाले व भाजपा की पूर्व प्रदेश प्रवक्ता दीक्षा रावत थीं। इस अवसर पर जयपुर की क्षेत्रिय समितियों के अध्यक्ष शंकर टोडवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम में कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बॉलीवुड हिट्स की प्रस्तुति दी। समारोह अंत में लकी ड्रॉ भी निकाला गया, जिसमें कई पुरस्कार शामिल थे और प्राइज पाकर विशेष रूप से बच्चे उत्साहित हो उठे। खंडेलवाल वैश्य समाज मानसरोवर विस्तार की समस्त कार्यकारिणी व पदाधिकारियों ने सपरिवार कार्यक्रम में कई एक्टिविटीज में हिस्सा लेते हुए खुशियां बांटी।

सांस्कृतिक संध्या | **5 से 75 साल के सुर साधक आए एक मंच पर**

'सुरीली शाम सुर के नाम' में 50 सिंगर्स ने जमाया रंग

बेधड़क | जयपुर

मंच पर जब 5 से 75 साल के सिंगर्स ने गायन के सुर बिखेरे तो हर कोई उनको देखकर रोमांचित हो गया। मौका था जाने-माने गायक व संगीत गुरु आमोद चतुर्वेदी के निर्देशन में 'सुरीली शाम सुर के नाम' कार्यक्रम का, जो महावीर स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। सिविल लाइन्स स्थित सुर म्युजिक एकेडमी के इस कार्यक्रम की विशेषता थी कि 50 सुर साधकों ने बॉलीवुड के 25 गीतों को अपनी आवाज दी। कार्यकम प्रबंधक वर्षा चतुर्वेदी के अनुसार समारोह में विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रशाशनिक सेवा अधिकारी नरेश ठकराल व सुधीर शर्मा, आईपीएस अधिकारी परिस देशमुख, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी आलोक चतुर्वेदी, राजस्थान चैंम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. केएल जैन व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डीएस भंडारी व सचिव संगीत आश्रम अमित अनुपम रहे। कार्यक्रम संचालक आभा दिवेदी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ कथक व भरतनाट्यम के फ्यूजन द्वारा गणपति वंदना से हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तुम को पिया दिल दिया, मांग के साथ तुम्हारा, क्या खूब लगती हो, जब दीप जले आना, जैसे सुपर हिट फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी गई

इनकी प्रस्तुति रही खास

अविरल चतुर्वेदी, डॉ. मंजू गुप्ता, डॉ. शशि लता त्रिपाठी, अनिरुद्ध, विभूषित, प्रिया, डॉ. कनिका वर्मा, डॉ. पंकज वर्मा, अंशु सिंह, पूनम जैन, इरा दुबे, कर्तिकेय मिश्रा, डॉ. यामिनी चतुर्वेदी, डॉ. नीरज नागायच, स्वपना जैन, अमायरा, नविका झालानी, नियारा, अद्रिजा, रविंद्र शर्मा, इशिता शर्मा, भावना सिंह, सुनीता गुप्ता, ममता भार्गव, शशि सिंह, शालिनी माटा, कृतार्थ, नवीशा शर्मा, चारूवी शर्मा, अलिन्द गुप्ता, शुभा गुप्ता, अनूप जोशी, दीपिक अरोड़ा, मीनाक्षी सिंह, अनिल भारद्वाज, कविता सिसोदिया, इंदू शर्मा, मीना बलोदिया, नरेंद्र जैन, सीमा मुंजाल, स्वाति कौशिक, राजीव लोईवाल और राका वाजपेयी शामिल रहे।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023

यदि हम विफलता से सबक हासिल नहीं करते हैं, तो जीवन में कभी सफल नहीं हो सकते हैं।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

इजराइल पहुंचे अमेरिका के रक्षामंत्री, बोले...

उचित नहीं ठहराया जा सकता आतंकवाद

एजेंसी | तेल अवीव

इजराइल और हमास के बीच करीब ढाई महीने से जारी युद्ध के बीच अमेरिका के रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन सोमवार को तेल अवीव पहुंचे। उन्होंने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अपने समकक्ष योआव गैलेंट से मुलाकात की।

इसके बाद उन्होंने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने हमास के हमले के घायलों और मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हम अमेरिकी नागरिकों समेत हमास के चंगुल में फंसे निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की रिहाई में मदद करने के लिए इजराइल के साथ करीब से समन्वय करना जारी रखेंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता है, और जो कोई भी हमास के इस तांडव के बाद क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा चाहता है, उसे हमास की निंदा करनी चाहिए।

बंधकों की मौत मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन

इजराइल में इजराइली सेना द्वारा गलती से चलाई गई गोली में तीन बंधकों की मौत के बाद सभी बंधकों को रिहा कराने के लिए हमास से नए सिरे से बातचीत को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जोर देकर कहा है कि इजराइल तब तक लड़ता रहेगा जब तक वह हमास को सत्ता से उखाड़ कर सभी बंधकों को नहीं छुड़ा लेता।

18,700 लोगों की मौत

गाजा में हमास शासित सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि करीब 10 सप्ताह से जारी युद्ध में कुल 18,700 फिलिस्तीनी मारे गए हैं जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। वहीं गाजा की कुल 23 लाख आबादी में से 19 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। इजराइली सेना के मुताबिक युद्ध में उसके 126 सैनिक मरे हैं।

उत्तर कोरिया ने फिर किया शक्ति प्रदर्शन, टेंशन में दक्षिण कोरिया

समुद्र में दागी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल

एजेंसी | सियोल

उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपना पहला अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया। इसे परमाणु गतिविधियां रोकने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा उठाए गए कदम के बदले दबाव की रणनीति के तौर पर उत्तर कोरिया का जवाब माना जा रहा है।

दक्षिण कोरियाई सरकार ने उत्तर कोरिया की 'ह्वासोंग-18 आईसीबीएम' का संदर्भ देते हुए मिसाइल को ठोस ईंधन वाला हथियार बताया है। कहा जाता है कि तरल-ईंधन वाले हथियारों की तुलना में विरोधियों के लिए इसके प्रक्षेपण का पता लगाना बेहद मुश्किल होता है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने अधिकारियों को मजबूत दक्षिण कोरियाई-अमेरिका संयुक्त रक्षा समन्वय बनाए रखने और दक्षिण कोरियाई क्षेत्र में उत्तर कोरिया की किसी भी गतिविधि का जवाब देने का आदेश दिया। वरिष्ठ अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने सप्ताहांत में वाशिंगटन में मुलाकात कर उत्तर कोरिया की परमाणु गतिविधियों को रोकने की रणनीति पर चर्चा की थी। उत्तर कोरिया इसका विरोध कर रहा है और लगातार मिसाइल दाग रहा है।

पड़ोसी देशों को नुकसान नहीं

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरियाई मिसाइल ने कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच पानी में उतरने से पहले लगभग 1,000 किमी (620 मील) की उड़ान भरी। मिसाइल का प्रक्षेपण उंचाई की तरफ किया गया था। इससे साफ है कि पड़ोसी देशों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए ऐसा किया गया था।

अमेरिका सहित कई देशों ने मिसाइल परीक्षण की निंदा

जापान के सांसद मासाहिसा सातो ने जापान के रक्षा मंत्रालय का हवाला देते हुए कहा कि मिसाइल ने छह हजार किमी (3,730 मील) की ऊंचाई तक उड़ान भरी। यह परीक्षण जुलाई में उत्तर कोरिया के 'ह्वासोंग-18' मिसाइल के दूसरे परीक्षण जैसा ही था। उत्तर कोरिया ने पहली बार अप्रैल में मिसाइल का परीक्षण किया था। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और उनके दक्षिण कोरियाई तथा जापानी समकक्षों ने उत्तर कोरियाई प्रक्षेपण की निंदा की। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबद्धताओं का 'घोर' उल्लंघन है।

मध्य मेक्सिको में समारोह के दौरान बंदूकधारियों ने किया हमला

क्रिसमस समारोह में गोलीबारी, 16 की मौत

एजेंसी | मेक्सिको सिटी

मेक्सिको के उत्तर-मध्य प्रांत गुआनाजुआतो के साल्वाटियेरा शहर में रविवार तड़के एक क्रिसमस समारोह में शामिल लोगों पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। इसमें करीब 12 लोगों की मौत हो गई। सलामांका शहर में गोलीबारी की एक अन्य घटना में चार और लोगों की मौत हो गई, लेकिन हमले के हालातों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

स्थानीय मीडिया में बताया गया है कि साल्वाटियेरा में क्रिसमस समारोह के खत्म होने के बाद गोलीबारी की गई। गुआनाजुआतो में जलिस्को माफिया और सिनालोआ माफिया समर्थित स्थानीय गिरोहों के बीच खूनी संघर्ष देखा जाता रहा है। मेक्सिको के इस राज्य में सबसे अधिक हत्याएं दर्ज की गई हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इस बीच, कैरेबियन तट के रिसॉर्ट 'टुलम' में रविवार को हुए हमले में तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। गोलीबारी की यह घटना मादक पदार्थ तस्करों के बीच विवाद का नतीजा है। ऐसे में इससे देश की आम जनता और हमारे पर्यटकों की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। हालांकि, पूर्व में टुलम में स्थानीय मादक पदार्थ गिरोहों के बीच गोलीबारी में पर्यटकों के मारे जाने की घटनाएं भी सामने आई थीं।

30 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च होने का अनुमान

30 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च होने का अनुमान

'दर्शन रिजॉर्ट' बनाएगी पाक सरकार

एजेंसी | लाहौर

पाकिस्तान में पंजाब प्रांत की सरकार करतारपुर में गुरुद्वारा दरबार साहिब के करीब एक 'दर्शन रिजॉर्ट' का निर्माण कराएगी ताकि वहां रहने वाले सिख तीर्थयात्री पवित्र स्थल का मनोरम दृश्य देख सकें।

पंजाब प्रांत के पर्यटन सचिव राजा जहांगीर अनवर ने कहा कि पांच मंजिला दर्शन रिजॉर्ट का निर्माण अगले महीने शुरू होगा और इस पर 30 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च होने का अनुमान है। अनवर ने कहा कि इस परियोजना की परिकल्पना दुनियाभर से आने वाले सिखों की सुविधा के लिए की गई है। उन्होंने बताया कि रिजॉर्ट का निर्माण गुरुद्वारा दरबार साहिब से महज 500 मीटर की दूरी पर किया जाएगा।

2024 में बनकर हो जाएगा पूरा

इस परियोजना की शुरुआत अगले महीने होगी और 2024 के अंत तक रिसॉर्ट के बनकर तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए पंजाब सरकार वित्तपोषण करेगी। पंजाब के पर्यटन सचिव ने बताया कि दर्शन रिजॉर्ट की सबसे ऊपरी मंजिल पर 10 सुइट (सुविधायुक्त विशेष कक्ष), मिनी थिएटर और जिम होंगे। उन्होंने कहा कि रिजॉर्ट से करतारपुर साहिब का शानदार दृश्य दिखेगा। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने पहले ही पंजाब पर्यटन विभाग द्वारा 50 कमरों वाले दर्शन रिजॉर्ट के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

2019 में किया था उद्घाटन

करतारपुर गलियारा का उद्घाटन 2019 में किया गया था। यह गलियारा भारत को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ता है, जहां सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव 16वीं शताब्दी की शुरुआत में रहे थे और उनका यहीं 'ज्योति ज्योत समाना' (देहावसान) हुआ था। करीब चार किमी लंबा यह गलियारा भारतीय तीर्थयात्रियों को गुरुद्वारा दरबार साहिब की यात्रा के लिए वीजा मुक्त सुविधा प्रदान करता है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl